केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 83 बुधवार 16 अक्टूबर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

देवी प्रतिमाओं का विसर्जन 17 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। देवी प्रतिमाओं का विसर्जन 17 अक्टूबर को होगा। अपर जिलाधिकारी और अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा दुर्गा प्रतिमाओ का विसर्जन सकुशल संपन्न कराने हेतु विसर्जन स्थल अमहट घाट का भ्रमण कर निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सुरक्षा सम्बंधित व्यवस्थाओं की जा रही तैयारियों का जायजा लिया गया तथा सम्बंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। मौके पर संबंधित अधिकारी, कर्मचारीगण मौजूद रहे।

मारपीट में महिलायें घायल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बनकटी (बस्ती) । लालगंज थाना क्षेत्र के भिटहा गांव में सोमवार शाम को दो पक्षों में मारपीट हो गया जिसमें दोनों पक्षों की महिलाएं चोटिल हो गई। मिली जानकारी के अनुसार बस्ती महुली मार्ग पर गौरा उपाध्याय गांव के पास एक दुकान पर अमरेश पुत्र द्वारिका एवं राजकुमार पुत्र शिवनाथ निवासी ग्राम भिटहा थाना लालगंज में कुछ कहां – सुनी हुआ फिर दोनों अपने घर गए झगड़े की जानकारी दी, तभी दोनों परिवार सकते में आ गए और दोनों बच्चों में हाथापाई वा हांकी डंडे चलने लगे इस समय घरों की महिलाएं वह लड़कियां भी बीच बचाव के लिए आ गए जिसमें एक पक्ष की रेखा पुत्री शिवनाथ 24 वर्ष को सिर में चोट लगने से गंभीर रूप से घायल हो गई तथा दूसरे पक्ष में संजू पुत्री द्वारिका को भी चोटें आई परिजनों द्वारा रेखा पुत्री शिवनाथ को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनकटी में भर्ती कराया गया जहां उसका इलाज चल रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार दोनों परिवारों में पुराना जमीनी रंजिश ज्यादा दिनों से चल रहा है और छोटे–मोटे विवाद कई बार हो चुके हैं।

मंदिर से दान पात्र चुराने का प्रयास

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बनकटी (बस्ती) । लालगंज थाना क्षेत्र के देईसांड़ स्थित देई माता मंदिर पर सोमवार देर रात अज्ञात चोरों द्वारा मंदिर में रखा दान पत्र का ताला तोड़ चोरी करने का प्रयास किया जा रहा था , तभी मंदिर से कुछ ही दूरी पर देवी जागरण सुन कर वापस घर लौट रहे ग्रामीणों द्वारा कुछ सुगबुगाहट वा आवाज सुनकर ग्रामीण मंदिर पर पहुंचे तो ग्रामीणों के आने का अंदाजा पाकर चोर भागने में सफल रहा , लेकिन चोर कुछ ले जाने में असफल रहे।सारा मामला मंदिर में लगे सी सी टी वी कैमरा में कैद है।ग्रामीणों द्वारा थाने पर तहरीर देकर बताया गया कि इस तरह चोरी का प्रयास कई बार हो चुका है और कोई आस – पास का ही व्यक्ति प्रतीत होता है । थाना प्रभारी लालगंज सुनील कुमार गौड़ ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है , जानकारी की जा रही है।

फसलों का अवशेष न जलायें किसान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । फसलों के अवशेष जलाने से उत्पन्न होने वाले प्रदूषण की रोकथाम के लिए पराली प्रबन्धन आवश्यक है। उक्त जानकारी देते हुए संयुक्त कृषि निदेशक अविनाश चन्द्र तिवारी द्वारा मण्डल के जनपदों में कृषको को जागरूक करते हुए फसल अवशेष न जलाये जाने का सुझाव दिया है। उन्होने कहा कि पराली जलाने से मृदा में उपलब्ध लाखों वैक्टीरीया जल जाते है तथा भूमि के जलने से स्ट्रक्चर खराब होने के साथ मृदा की उर्वरा शक्ति का ह्रास होता है तथा पैदावार में गिरावट आती है।

उन्होने कहा कि कृषक भाई फसल अवशेष मृदा में ही मिलाकर भूमि में जीवांश की एवं उर्वरा शक्ति में वृद्धि कर सकते है।

महाराष्ट्र, झारखण्ड के साथ 49 सीटों पर उपचुनाव घोषित

नई दिल्ली (आभा)। महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान हो गया है। महाराष्ट्र में एक ही चरण में 20 नवंबर को मतदान होगा। झारखंड में दो चरणों में वोटिंग होगी। झारखंड में पहला राउंड 13 नवंबर को होगा, जबकि दूसरे चरण का मतदान 20 तारीख को होगा। उसी दिन महाराष्ट्र में भी वोटिंग होनी है। दोनों ही राज्यों के चुनाव नतीजे एक साथ ही 23 नवंबर को घोषित किए जाएंगे। झारखंड के कई जिले नक्सल प्रभावित हैं और सुरक्षा की चिंताएं रहती हैं। इसी के चलते दो राउंड में मतदान कराने का

फैसला लिया गया है। फिर भी यह बड़ा फैसला है क्योंकि 2019 में यहां 5 चरणों में मतदान कराया गया था। इन दोनों राज्यों के साथ ही 13 नवंबर को वायनाड लोकसभा सीट और कई विधानसभा सीटों पर उपचुनाव भी होंगे। वायनाड सीट राहुल गांधी के इस्तीफे से खाली हुई है।

महाराष्ट्र में भी नांदेड़ सीट पर लोकसभा उपचुनाव होना है। इसके लिए भी 20 नवंबर को एक साथ ही मतदान कराया जाएगा। उत्तर प्रदेश की बात करें तो यहां 10 की बजाय कुल 9 विधानसभा सीटों पर ही उपचुनाव होगा। यूपी में अयोध्या की मिल्कीपुर सीट पर उपचुनाव नहीं होगा। सभी 9 सीटों पर 13 नवंबर को मतदान करा लिया जाएगा और एक साथ ही 23 नवंबर को नतीजे आएंगे। कुल 47 विधानसभा सीटों पर 13 नवंबर को मतदान कराया जाएगा। उत्तराखंड की केदारनाथ विधानसभा सीट पर उपचुनाव 20 नवंबर को कराने का फैसला लिया गया है।

कहा जा रहा है कि मिल्कीपुर विधानसभा चुनाव को लेकर एक अर्जी अदालत में है। इसलिए वहां चुनाव का ऐलान नहीं किया गया है।

महाराष्ट्र में विधानसभा की कुल 288 सीटें हैं और बहुमत का आंकड़ा 145 है, वहीं झारखंड में 81 सीटें हैं और बहुमत का नंबर 42 है। महाराष्ट्र में 26 नवंबर को मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। वहीं झारखंड में 5 जनवरी तक नई सरकार का गठन हो जाना चाहिए। चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र विधानसभा के कार्यकाल को ध्यान में रखते हुए ही नवंबर में चुनाव कराने का फैसला लिया है।

यूपी में 9 सीटों पर 13 नवम्बर को होंगे मतदान

लखनऊ (आभा)। यूपी में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनावों का सेमीफाइनल कहे जा रहे उपचुनावों का सेट तैयार हो गया है। सभी सीटों पर एक साथ 13 नवंबर को वोटिंग होगी और 23 नवंबर को मतगणना के साथ नतीजे घोषित हो जाएंगे। चुनाव आयोग ने मंगलवार को यूपी की दस विधानसभा सीटों में से नौ सीटों पर उपचुनाव का ऐलान कर दिया। अयोध्या की मिल्कीपुर सीट पर फिलहाल उपचुनाव नहीं होगा। जिन सीटों पर वोटिंग होगी उनमें मैनपुरी की करहल, अलीगढ़ की खैर, बिजनौर की मीरापुर, प्रयागराज की फूलपुर, गाजियाबाद की गाजियाबाद, मिर्जापुर की मझवां,

अम्बेडकरनगर की कटेहरी, संभल की कुंदरकी और कानपुर की सीसामऊ सीट है।

चुनाव आयोग की तरफ से जारी कार्यक्रम के अनुसार 18 अक्टूबर को अधिसूचना के साथ ही नामांकन शुरू हो जाएंगे। 25 अक्टूबर तक नामांकन दाखिल किया जा सकेगा। 28 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी और 30 अक्टूबर तक नाम वापस लिये जा सकेंगे।

लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के इंडिया गठबंधन से हारने के बाद भाजपा के पास 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले माहौल बनाने का उपचुनाव एक मौका है। भाजपा ने इसके लिए तैयारियां भी काफी समय पहले से शुरू कर दी हैं। सभी सीटों पर तीन–तीन मंत्रियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद लोकसभा चुनाव के बाद सभी दस सीटों पर दौरे कर चुके हैं।

विधायक योगेश वर्मा के पिटाई मामले में कुर्मी महासभा ने सौपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । लखीमपुर खीरी के सदर विधायक योगेश वर्मा की दबंगों द्वारा मारने पीटने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। मंगलवार को भारतीय कुर्मी महासभा प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर जिलाध्यक्ष डा. विजय कुमार वर्मा, प्रदेश सचिव आर.के. सिंह पटेल के नेतृत्व में मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर मांग किया गया कि दोषियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाय।

ज्ञापन सौंपने के बाद डा. विजय कुमार वर्मा ने कहा कि लखीमपुर खीरी के सदर विधायक योगेश वर्मा को अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अवधेश सिंह और उनके साथियों द्वारा पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में जिस तरह से मारा पीटा, गालियां दी, यह स्थितियां चिन्ताजनक है। दोषियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई न की गई तो भारतीय कुर्मी महासभा आन्दोलन को मजबूर होगी। ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से बद्री प्रसाद चौधरी, अशोक कुमार वर्मा, घनश्याम चौधरी, विद्यासागर चौधरी, मायाराम चौधरी, अशोक कुमार चौधरी, अरविन्द पटेल आदि शामिल रहे।

डीएम ने किया औचक निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । , जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने विकास खण्ड बहादुरपुर के अन्तर्गत विकास प्रेरणा लघु उद्योग पुष्टाहार प्रोडेक्शन ग्राम खड़ौआजाट, खाद्यान्न माड्ल शाप ग्राम कुसौरा, कुसौरा इण्टरलाकिंग रोड, सम्बिलियन उच्च प्राथमिक विद्यालय कुसौरा, ग्राम अक्सड़ा से पिपरा गौतम रोड तथा निर्माणाधीन कस्तुरबॉ गॉधी आवासीय बालिका विद्यालय नगर बाजार का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होने उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया और कहा कि अधिकारीगण पूर्ण जिम्मेदारी से उत्तरदायित्वों का निर्वहन करना सुनिश्चित करें।

उन्होने कहा कि निर्माणाधीन कार्यो में मानक के अनुरूप गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। सम्बिलियन उच्च प्राथमिक विद्यालय कुसौरा में निरीक्षण के दौरान स्वयं ब्लैकबोर्ड पर लिखकर बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्होने आदर्श शिक्षक का दायित्व निभाने के लिए शिक्षको को प्रेरित किया। निरीक्षण के दौरान सीडीओ जयदेव सी.एस., विकास खण्ड अधिकारी बहादुरपुर तथा संबंधित अधिकारी–कर्मचारी एवं शिक्षकगण उपस्थित रहें।

जयन्ती पर याद किये गये पूर्व राष्ट्रपति डा. एपीजे अब्दुल कलाम

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । अपना दल एस द्वारा मंगलवार को अल्पसंख्यक मंच जिलाध्यक्ष निसार अहमद के संयोजन में कटरा बुर्जुग चौराहे के निकट पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को उनकी जयन्ती पर याद किया गया।

अपना दल एस के प्रदेश सचिव अभिमन्यु पटेल ने कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुये कहा कि डा. कलाम का साधना पूर्ण जीवन नए–नए संकल्पों को धारण कर उन्हें सिद्ध करने के लिए साहस व ऊर्जा देता है। 'मिसाइल मैन' डॉ कलाम का जीवन देश के युवाओं को नई सोच व समर्पण के साथ राष्ट्रसेवा की प्रेरणा देता रहेगा। उन्होंने पूरी दुनिया के सामने ज्ञान, सादगी और समर्पण की उत्कृष्ट मिसाल कायम की है। जिलाध्यक्ष राजमणि पटेल ने कहा कि अब्दुल कलाम का भारत और उससे आगे की युवा पीढ़ी को लेकर उनका प्यार और विश्वास किसी से छिपा नहीं है। हर साल 15 अक्टूबर को देश और दुनिया भर में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के सम्मान में 'विश्व छात्र दिवस' भी मनाया जाता है। उनके जीवन से युवाओं को प्रेरणा लेनी चाहिये। कार्यक्रम संयोजक निसार अहमद ने कहा कि लोकप्रिय राष्ट्रपति के रूप में जाने जाने वाले डॉ. कलाम ने अपना अधिकांश जीवन

–डा. कलाम से प्रेरणा लें युवा–अभिमन्यु पटेल

युवा छात्रों को प्रेरित करने और मार्गदर्शन करने के लिए समर्पित कर दिया, और शिक्षण और सीखने के लिए उनके जुनून ने भारत और उससे आगे पर गहरा प्रभाव छोड़ा। रामनयन पटेल ने कहा कि डा. कलाम अपनी विनम्रता, युवा पीढ़ी की क्षमता में विश्वास और विज्ञान और शिक्षा को राष्ट्रीय विकास के मार्ग के रूप में प्रोत्साहित करने के लिए जाने जाते है। वंदना पटेल ने कहा कि डा. कलाम ने साबित किया कि चाहे जितनी मुश्किलें आयें धैर्य नहीं खोना चाहिये।

जयन्ती पर पूर्व राष्ट्रपति डा. कलाम को नमन करने वालों में मुख्य रूप से जिला महासचिव शिव कुमार चौधरी, झिनकान चौधरी, सुखराम पटेल, प्रदीप पटेल 'राना' रामजीत पटेल, इन्द्रजीत, रामपाल पटेल, प्रमोद कुमार पाल, वेद प्रकाश चौधरी, लालचंद चौधरी, राजेन्द्र चौधरी, सन्तराम पटेल, इन्द्रजीत प्रजापति, रियाजुद्दीन, लालचंद, सईद खान, मो. सलीम खान, लालजी वर्मा, रामू पटेल, सादिक हुसेन, दिनेश पटेल, राम सिंह, राज बहादुर चौधरी, शादाब अहमद, राजू यादव, राजेन्द्र प्रसाद, राम प्रताप वर्मा, युवराज कुमार, रामचन्द्र दिनकर, राहुल गुप्ता, अनुराग, अजीत, दुर्गेश, जसवन्त, राम मूरत निषाद, सूरज, अनुराग के साथ ही अपना दल एस के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

विधायक योगेश वर्मा के साथ दुर्व्यहार के विरोध में मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । अखिल भारतीय कूर्मि क्षत्रीय महासभा के जिलाध्यक्ष रमेश चौधरी के नेतृत्व में पदाधिकारियों और सदस्यों ने मंगलवार को जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। मांग किया कि लखीमपुर खीरी के सदर विधायक योगेश वर्मा को अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अवधेश सिंह और उनके साथियों द्वारा पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में दुर्व्यवहार किये जाने के मामले में दोषियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाय।

ज्ञापन देने के बाद अखिल भारतीय कूर्मि क्षत्रीय महासभा के जिलाध्यक्ष रमेश चौधरी ने कहा कि यदि दोषियों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही न की गई तो महासभा आन्दोलन को बाध्य होगी। विधायक योगेश वर्मा के साथ दुर्व्यवहार दुर्भाग्यपूर्ण है। इस मामले में दोषियों को बख्शा न जाय। मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजने वालों में मुख्य रूप से महासभा के राम आशीष चौधरी, शिव प्रसाद चौधरी, धर्मेन्द्र चौधरी, राम कमल वर्मा, योगेन्द्र, हरिओम चौधरी, हिमांशु चौधरी, नृपेन्द्र चौधरी, रामकरन चौधरी आदि शामिल रहे।

जांच की जगह डीपीआरओ पर मामले में लीपापोती का आरोप

–कुलदीप चौधरी–

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। अधिकारियों की मनमानी के चलते आम जनता से लेकर के खास लोगों को भी छोटी–छोटी समस्याओं के समाधान के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है यही कारण है कि आम जनता का प्रशासन के रवैये पर सवाल खड़ा होने लगता है।

ताजा मामला बस्ती जनपद के सल्टौआ विकासखंड के अमरौली शुमाली ग्राम पंचायत का है जहां पर ग्राम पंचायत के शिकायतकर्ता सौरभ वीपी वर्मा ने जिलाधिकारी बस्ती रवीश गुप्ता को शिकायती प्रार्थना पत्र देते हुए बताया था कि ग्राम पंचायत अमरौली शुमाली में प्रधान और सचिव के मिलीभगत से राज्य वित्त एवं केंद्रीय वित्त के पैसे को प्रधान और प्रधान के रिश्तेदार के खाते में भुगतान कर उसका बंदरबांट कर लिया गया है वहीं ग्राम पंचायत में एक पुरानी नाली के मरम्मत के नाम पर पैसे का गोलमाल किया गया है।

शिकायतकर्ता के प्रार्थनापत्र को संज्ञान में लेने के बाद जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने मामले की जांच जिला पंचायत राज अधिकारी बस्ती रतन कुमार को सौंपते हुए जांचोपरांत आवश्यक कार्यवाही करने का निर्देश दिया । शिकायतकर्ता ने कहा कि जांच की प्रगति जानने के लिए उनके द्वारा डीपीआरओ को प्राप्त सीयूजी नंबर पर पिछले दस दिन में करीब दस बार फोन लगाया गया लेकिन डीपीआरओ द्वारा फोन का जवाब नही दिया गया , शिकायतकर्ता का आरोप है कि 22 सितंबर को शिकायत मिलने के बाद डीपीआरओ रतन कुमार द्वारा मामले की गंभीरता न लेकर उसको दबाने का प्रयास किया जा रहा है जबकि उसी विभाग के अधिकारी होने की वजह से उन्हें भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए ठोस कदम उठाना चाहिए लेकिन उनके द्वारा मामले में की जा रही शिथिलता यह दर्शाता है कि डीपीआरओ द्वारा भ्रष्टाचार में शामिल लोगों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है एवं भ्रष्टाचार में शामिल लोगों के साम्राज्य को बचाये रखने के लिए उनका संरक्षण किया जा रहा हैं।

मेले में बिछड़ों को मिलाने के लिये खोया पाया शिविर का उद्घाटन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और नगर पालिका परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा ने कम्पनीबाग के निकट समाचार पत्र वितरक जन कल्याण सेवा समिति द्वारा जय प्रकाश गोस्वामी के संयोजन में संचालित बिछड़े मिले, खोया पाया माध्यम शिविर का उद्घाटन किया।

कहा कि बस्ती में पूर्णिमा के दिन देवी प्रतिमाओं की विसर्जन की पुरानी परम्परा है, इस वर्ष गुरूवार 17 अक्टूबर को देवी प्रतिमाओं का विसर्जन होगा। पर्व त्यौहारों को मिलजुलकर खुशियों के साथ मनायें। कहा कि जय प्रकाश गोस्वामी द्वारा खोया पाया शिविर संचालन एक अच्छी पहल है. इससे मेले में बिछड़े लोगों को अपनों से मिलाना आसान हो जाता है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डा. आलोक रंजन वर्मा ने कहा कि खोया पाया

शिविर की जरूरत हमेशा बनी रहेगी, पिछले 33 वर्षो से जय प्रकाश गोस्वामी द्वारा खोया पाया शिविर का अनवरत संचालन एक उपलब्धि है. बिछड़ों को मिलाना पुनीत कार्य है।

शिविर संचालक जय प्रकाश गोस्वामी ने कहा कि जितना संभव होगा चाहे जितनी कठिनाईयां आयें शिविर का संचालन अनवरत जारी रहेगा। किसी के खोये हुये बच्चे को उसके परिवार से मिलाने पर खुशी मिलती है।

शिविर के उद्घाटन अवसर पर मुख्य रूप से डी.डी.तिवारी, रूद्र आदर्श पाण्डेय, दिलीप पाण्डेय, मिन्टू गिरी, विपिन पाल, मनोज यादव, मुकेश श्रीवास्तव, शरद सिंह रावत, हेमन्त कुमार मिश्र, प्रभात सोनी, अभय नरायन गोस्वामी विजय प्रकाश गोस्वामी, सुनील मिश्र आदि शामिल रहे.

दलितों पर बढ़ते अत्याचार, उगाही, उत्पीड़न के विरोध में राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । भारतीय दलित वर्ग संघ के राष्ट्रीय सचिव साधू शरन आर्य ने मंगलवार को संघ पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं के साथ जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा। मांग किया कि उत्तर प्रदेश में लगातार बढ रहे दलित उत्पीड़न के मामलों की उच्च स्तरीय जांच कराकर पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने के साथ ही दोषियों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही कराया जाय।

राष्ट्रपति को भेजे ज्ञापन में भारतीय दलित वर्ग संघ के राष्ट्रीय सचिव साधू शरन आर्य ने कहा है कि पूर्वान्चल के साथ ही उत्तर प्रदेश के अनेक जनपदों में दलितों के उत्पीड़न मामलों में प्रभावी कार्यवाही न होने से दबंगों का मनोबल बढ गया है। थानों में दलितों के साथ धन उगाही, फर्जी मामलों में जेल भेज दिये जाने के मामले लगातार बढ रहे हैं। देश में भेदभाव का सबसे बड़ा शिकार अनुसूचित जाति–जनजाति के लोग हैं भेदभाव को दूर करने के लिए

–घटनाओं को गंभीरता से लेकर न्याय दिलाये सरकार–साधू शरन आर्य

सरकार के प्रयास कागजी साबित हो रहे हैं। थानों पर दलितों की सुनवाई न के बराबर है जिससे दबंगों का मनोबल बढ गया है। बस्ती, सिद्धार्थनगर, संतकबीरनगर, गोरखपुर, लखनऊ, बहराइच, सीतापुर आदि जनपदों में हुये दलित उत्पीड़न मामलों की जानकारी देते हुये उन्होने मांग किया है कि दोषियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई कराया जाय। भारतीय दलित वर्ग संघ के राष्ट्रीय सचिव साधू शरन आर्य ने कहा कि गौर थाना क्षेत्र के वार्ड नम्बर 14 चन्द्रशेखर आजाद नगर निवासी दलित कैलाशनाथ के घर के सामने शिव कुमार के घर में गत 31 अगस्त को चोरी हो गई। सूचना पर गौर और बभनान पुलिस मौके पर पहुंची। कैलाशनाथ के घर में लगे सी.सी.टी.वी. फुटेज को देखा फोटो में चोर की पहचान न होने पर पुलिस चली गई। 3 सितम्बर को गौर व पुलिस चौकी बभनान पुलिस उनके घर पहुंची और उन्हें और नाती 11 वर्षीय अंश को गाडी पर बैठाकर थाने ले गयी। दो दिन तक गौर पुलिस ने नाबालिग अंश और 70 वर्षीय कैलाशनाथ को मारा पीटा, धमकियां दी और एक लाख रूपये की धन उगाही भी किया। अभी तक इस मामले में दोषी पुलिस कर्मियों के विरूद्ध कोई कार्रवाई नहीं की गई। मांग किया कि सरकार दलित उत्पीड़न के मामलों में न्याय दिलाने के लिये ठोस कार्रवाई करे।

ज्ञापन देने वालों में साधू शरन आर्य के साथ मुख्य रूप से अर्जक समाज के राष्ट्रीय संयोजक गौरीशंकर, अवधेश सिंह, सोनू राव, अनिल तिवारी आदि शामिल रहे।

समाजवादियों ने जयन्ती पर किया पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के योगदान पर विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मंगलवार को समाजवादी पार्टी कार्यालय पर पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को उनकी जयन्ती पर याद किया गया। उपस्थित लोगों ने डा. कलाम के चित्र पर माल्यार्पण के साथ उनके योगदान पर चर्चा किया।

पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय ने कहा कि उनकी जयंती को विश्व छात्र दिवस के रूप में मनाया जाता है, यह दिन छात्रों को यह बताता है कि किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत, समर्पण और सही दिशा में प्रयास करना आवश्यक है। डॉ कलाम शिक्षा के प्रबल समर्थक थे और मानते थे कि छात्रों में दुनिया में बड़ा बदलाव लाने की शक्ति है। वह विज्ञान और प्रौद्योगिकी, विशेषकर मिसाइल विकास और अंतरिक्ष अनुसंधान में अपने काम के लिए जाने जाते थे, लेकिन उनमें युवाओं को पढ़ाने और प्रेरित करने का भी विशेष जुनून था। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा।

पूर्व राज्य मंत्री श्रीपति सिंह, दयाशंकर मिश्र, राजाराम यादव, मो. स्वालेह, जमील अहमद ने कहा कि

डा. कलाम युवाओं के लिये प्रेरणा है। यदि आप सूरज की तरह चमकना चाहते हैं, तो पहले सूरज की तरह जलें, श्रेष्ठता एक सतत प्रक्रिया है, कोई हादसा नहीं,. छोटा लक्ष्य अपराध है, लक्ष्य बड़ा रखें,आपका सपना सच हो, इससे पहले आपको सपना देखना होगा, ऐसे उनके विचारों ने देश को नई दिशा दिया। कठिन परिस्थिति में उन्होने वह करी दिखाया जो असंभव माना जाता था। वे सदैव याद किया जायेगा।

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को उनकी जयन्ती पर याद करने वालों में मुख्य रूप से कक्कू शुक्ल, रन बहादुर यादव, अरविन्द सोनकर, 'सुरेन्द्र सिंह छोटे', निसार अहमद, इरशाद अहमद, रविन्द्र यादव, हृदयराम यादव, संजय गौतम, मुरलीधर पाण्डेय, भोला पाण्डेय, गौरीशंकर यादव, गिरीश चन्द्र, दीपक आर्य, रमेश गौतम, मो. युनुस, प्रशान्त यादव, दिनेश तिवारी, अमित गौड़, मन्नू सिंह, अरविन्द जायसवाल, फूलचन्द भारती, घनश्याम मिश्र, सुनील चौधरी, हाशिम के साथ ही अनेक सपा नेता कार्यकर्ता शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 16 अक्टूबर 2024 बुधवार

सम्पादकीय

धन बल की राजनीति

राजनीति में धनाढ्य लोगों, बाहुबलियों तथा आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों का सक्रिय होना, अब भारतीय जनतांत्रिक व्यवस्था का चरित्र बन चुका है। कहीं ज्यादा तो कहीं कम, उनकी उपस्थिति हर राज्य व केंद्र की राजनीति में नजर आती है। हाल ही में संपन्न हरियाणा विधानसभा के चुनावों के बाद आई एक रिपोर्ट ने इस मुद्दे को फिर विमर्श में ला दिया है। इस रिपोर्ट के अनुसार राज्य में चुने गए 96 फीसदी विधायक करोड़पति हैं। वैसे यह कहना कठिन है कि जनप्रतिनिधि नामांकन भरते समय कितनी ईमानदारी से अपनी सफेद कमाई को दर्शाते हैं। जबकि अश्वेत कमाई का तो कोई जिक्र ही नहीं होता। आर्थिक आंकड़ों से खेलने वाली एक पूरी बिरादरी स्याह को श्वेत बनाने के खेल में पारंगत होती है। फिर करोड़पति की कोई सीमा नहीं कि उसकी संपत्ति कितने करोड़ों में है। रिपोर्ट में दूसरी चौंकाने वाली बात यह है कि हरियाणा विधानसभा चुनाव में जीतने वाले माननीयों में 13 फीसदी का आपराधिक अतीत रहा है। इनमें से कई पर गंभीर अपराधों के लिये मुकदमें चल रहे हैं। यह मतदाताओं के लिये भी आत्ममंथन का समय है कि प्रत्याशी की हकीकत को जानते हुए भी उसे जितानें लायक वोट कैसे मिल जाते हैं। यूं तो जुबानी तौर पर हर बड़ा राजनीतिक दल लोकतंत्र में राजनीतिक शुचिता की वकालत करता नजर आता है, बड़ी—बातें दोहराता है। लेकिन हकीकत में स्थिति वही 'ढाक के तीन पात।' चुनाव आते ही ऐसी नकारात्मकता प्रत्याशी की जीत की गारंटी बन जाती है। जनता भी अब सुन—सुनकर थक चुकी है। उसे भी लगने लगा कि शायद यही विसंगति हमारी नियति बन गई है। वैसे राजनेताओं के साथ ही मतदाता भी इस राजनीतिक विद्रूपता के लिये कम जिम्मेदार नहीं है, जो छोटे—छोटे प्रलोभनों के लिये मतदान करते वक्त अपने विवेक का इस्तेमाल नहीं करता। दरअसल, आजादी के सात दशक बाद भी मतदाता को इतना विवेकशील बनाने की पहल राजनेताओं ने नहीं की कि वह अपने विवेक से राष्ट्रीय हितों को देखते हुए अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके।

बहरहाल, करोड़पतियों के जनप्रतिनिधि संस्थाओं में वर्चस्व का एक निष्कर्ष साफ है कि आम आदमी के लिये चुनाव लड़ना अब दूर की कौड़ी बन गई है। यह कथन अब किताबों तक सीमित रह गया है कि जनतंत्र जनता द्वारा , जनता का और जनता के लिये होता है। कहा जाता है कि आजादी के बाद पहली बार हुए विधानसभा चुनाव में राजस्थान का एक विधायक ऐसा भी था, जिसके पास जयपुर जाकर शपथग्रहण समारोह में शामिल होने के लिये टिकट के पैसे तक नहीं थे। तब लोगों ने उनकी मदद की। बहरहाल, हमें स्वीकार करना होगा कि भले ही राजनीति में अब धनबल व बाहुबल अपरिहार्य हो, लेकिन इस स्थिति के लिये जनमानस भी कम जिम्मेदार नहीं है। हम सोचें कि क्षेत्रवाद,संप्रदायवाद, जातिवाद और छोटे—छोटे प्रलोभनों के लिये हम ऐसे प्रत्याशियों को जनप्रतिनिधि संस्थाओं में क्यों भेज देते हैं, जो वहां जाने लायक ही नहीं होते। हमें यह भी सोचना होगा कि मुफ्त की रेवड़ियों के अलावा चंद रुपयों व सुरा के लिये सुर बदलने वाले लोग कौन हैं? कहीं न कहीं यह हमारे सामाजिक मूल्यों के परिभव का प्रमाण भी है। जब कहते हैं कि हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का हिस्सा होने का गौरव रखते हैं, तो यही बड़प्पन हमारे लोकतांत्रिक व्यवहार में दिखायी देना चाहिए। हमें अपने बेशकीमती वोट के दायित्व का बोध भी होना चाहिए। उसकी गरिमा का भी ध्यान रखना चाहिए, ताकि हमारे लोकतंत्र पर दागी और धनाढ्य लोगों का वर्चस्व स्थापित न हो। हम ध्यान रखें कि जब करोड़पतियों के हाथ में सत्ता की बागडोर आती है तो उनकी संपत्ति अगले चुनाव तक दिन दूनी—रात चौगुनी गति से बढ़ती है। ऐसे जनप्रतिनिधियों का लक्ष्य अपने लिये ही नहीं बल्कि आने वाली सात पीढ़ियों के लिये धन—संपदा जुटाना होता है। जिसमें हमारी जरूरतों को पूरी करने वाली व्यवस्था के लिये आवंटित धन तथा अनैतिक तौर—तरीकों से जुटाया पैसा भी शामिल होता है। जो भ्रष्टाचार की अंतहीन शृंखला को जन्म देता है। दरकते पुलों, धंसती सड़कों, बीमार अस्पतालों तथा बदहाल शिक्षा व्यवस्था को भ्रष्टाचार की परिणति के रूप में देखा जा सकता है।

नये जिलों के सृजन का औचित्य

—अशोक लवासा—

कहने को 'न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन'— एक बढ़िया और उपयुक्त नारा है। अन्य लोकप्रिय मुहावरा यह है कि भारत की शासकीय संरचना केवल तीन शक्तिशाली स्तंभों पर टिकी है — प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और जिलाधीश जिसको लेकर आमतौर पर कहा जाता है कि पीएम—सीएम—डीएम नामक त्रिमूर्ति भारत का राजकाज चलाती है।

विभाजन के समय भारत में जिलों की संख्या सटीक रूप से ज्ञात नहीं है, लेकिन 1951 में स्वतंत्रता के बाद पहली जनगणना के समय कुल 402 जिले थे। ये जिले 27 राज्यों और 3 केंद्रशासित प्रदेशों (यूटी) में फैले हुए थे। नवीनतम आंकड़े के अनुसार, देश में 28 राज्य, 8 केंद्रशासित प्रदेश और 806 जिले हैं। इनमें 5 जिले हाल ही में लद्दाख में जोड़े गए हैंद्द जो कि सबसे नया केंद्रशासित प्रदेश है और जिसकी स्थापना 2019 में हुई है। अब इसके जिलों की संख्या 2 से बढ़कर 7 हो गई है।

देशभर के जिलों की संख्या साल 1951 में 402 थी व साल 1991 तक उसमें 74 नए जिले बनकर जुड़े। अगले दशक (1991—2001) में 117 नए जिले जोड़े गए, 2001 से 2011 के बीच इनकी संख्या 47 रही। पिछले 13 वर्षों में 166 नवीन जिलों का निर्माण हुआ है। साल 1951 में, आंध्र प्रदेश में 19 जिले थे और हैदराबाद सूबे में 17 जिले थे, आज आंध्र प्रदेश में 26 तो आंध्र प्रदेश से अलग होकर बने तेलंगाना में ही 33 जिले हैं। इसी तरह, असम में यह संख्या 13 से बढ़कर 35 हो गई, बिहार में 18 से 38, दिल्ली में 1 से 11, हिमाचल प्रदेश में 6 से 12, जम्मू—कश्मीर में 6 से 20, पंजाब में 12 से 23, ओडिशा में 13 से 30, राजस्थान में 21 से 50, उत्तर प्रदेश में 40 से 75 और पश्चिम बंगाल में संख्या 15 से 30 हो गई है।

राज्य पुनर्गठन अधिनियम—1956 लागू होने के बाद बनाए गए कुछ नए राज्यों का रिकॉर्ड चौंकाने वाला है। हरियाणा में 22 जिले हैं, जबकि 1966 में इसके निर्माण के समय 7 जिले थे। तेलंगाना की गिनती 10 से बढ़कर 33 हो गई है, उत्तराखंड में 9 से 13, झारखंड 18 से 24 और छत्तीसगढ़ में 16 से बढ़कर 33 जिले हो गए।

एक नए जिले का निर्माण, जो कि अनिवार्य रूप से एक प्रशासनिक इकाई होता है, लगता नहीं यह करते वक्त किसी भी तर्कसंगत सिद्धांत का पालन किया जाता है। जिला बनाने के लिए कोई परिभाषित भौगोलिक या जनसांख्यिकीय मानदंड नहीं हैं। भारत का सबसे बड़ा जिला कच्छ है, जिसका क्षेत्रफल 45,674 वर्ग किमी और जनसंख्या 20,92,371 है। सबसे छोटा जिला माहे है, जिसका क्षेत्रफल महज 8.69 वर्ग किमी. और जनसंख्या 41,816 है। आबादी के हिसाब से उत्तर 24 परगना सबसे बड़ा जिला है, जहां पर 1,00,09,781 लोग बसे हैं और कुल क्षेत्रफल 4,094 वर्ग किमी है, जबकि सबसे कम आबादी दिबांग घाटी की है जहां पर 8,004 निवासी हैं और 9,129 वर्ग किमी क्षेत्र है। अविभाजित लेह जिले की जनसंख्या 1,33,487 और क्षेत्रफल 45,110 वर्ग किमी था वहीं कारगिल की जनसंख्या 1,40,802 और क्षेत्रफल 14,086 वर्ग किमी था। अब कारगिल से काटकर द्रास और झांस्कार को जिला बनाया गया है और लेह को विभाजित कर चांगथांग, नुब्रा और शाम घाटी नामक जिले बनाए गए हैं।

यह सच है कि मूल लद्दाख जिला प्रशासन चलाने के लिहाज से अत्यंत विशाल था। कारगिल और लेह सांस्कृतिक रूप से अलहदा हैं। इस कारण 1979 में कारगिल को एक अलग जिले के रूप में रखा गया। छोटा किए जाने के बावजूद लेह जिला भौगोलिक दृष्टि से देश का दूसरा सबसे बड़ा जिला बना रहा। भारत में नए जिले का निर्माण आम तौर पर किसी वस्तुनिष्ठ मानदंड की बजाय राजनीतिक मांगों का परिणाम होते हैं। मसलन, लद्दाख के मामले में, कारगिल से अलग करके एक नया मुस्लिम बहुल जिला 'सन्कू' बनाने के लिए विरोध प्रदर्शन हुए, शायद इसलिए भी कि सर्दियों के दौरान यह इलाका अक्सर कारगिल से कटा रहता है। कारगिल से अलग करके एक नया जिला बनाने की इस किस्म की मांग झांस्कार के लोगों द्वारा भी की गई थी। यही बात लेह के सभी हिस्सों जैसे द्रास, चांगथांग, खालत्सी और तुरतुक के बारे में भी कही जा सकती है। हालांकि, क्या एक जिले का दर्जा देने की मांग के पीछे महज एक नई प्रशासनिक इकाई बनाने वाला औचित्य काफी है, जबकि इससे राजकोष पर काफी वित्तीय बोझ पड़ता है। एक नया जिला बनते ही अतिरिक्त कर्मी, नए कार्यालय और आवासीय भवनों का निर्माण जरूरी हो जाता है। नया जिला आम तौर पर उपखंड मुख्यालय को अपग्रेड कर बनाया जाता है, साथ ही पुलिस अधीक्षक और अन्य जिला—स्तरीय कार्यालय जैसे सहायक तंत्र की स्थापना करनी पड़ती है। लेकिन अक्सर ऐसा होता नहीं क्योंकि संलग्न कार्यालय बनने में लंबा वक्त लगता है। कभी—कभी, बजटीय बाधाओं के कारण सभी विभागीय कार्यालयों के अपग्रेडेशन की न तो जरूरत होती है और न ही यह संभव है।

मुख्य बिंदु यह है कि नया जिला बनने से जिलाधिकारी को अधिकारों का कोई बहुत बड़ा हस्तांतरण नहीं होता। इसलिए, यह समझना कठिन है कि यदि एक अधिकारी एक बड़े क्षेत्र को वर्तमान शक्तियों के साथ प्रभावी ढंग से प्रशासित नहीं कर पाया तो वह पूर्ववत शक्तियों के साथ एक छोटे क्षेत्र का कामकाज अधिक प्रभावशाली ढंग से कैसे कर पाएगा। यह शायद उस समय उचित था जब भौगोलिक दूरी से काम में देरी हुआ करती थी, लेकिन एक वृहद कार्यात्मक संचार नेटवर्क के अतिरिक्त प्रौद्योगिकी—संचालित शासन तंत्र के युग में, निर्णय का अधिकार सौंपना अधिक उपयुक्त हो सकता है, जैसा कि दूर—दराज के बर्फीले जिलों में किया जाता है, जब वे दुर्गम बन जाते हैं, और निर्णय लेने वाली ऐसी प्रणाली विकसित करना जो स्थानीय स्तर पर उच्च अधिकारियों की भौतिक उपस्थिति पर निर्भर न हो।

मुझे नहीं पता कि नई प्रशासनिक इकाइयों के निर्माण के लिए वस्तुनिष्ठ मापदंड निर्धारित करना संभव है या नहीं। मुझे यह भी पक्का नहीं है कि क्या हम व्यवहारी जिले की अवधारणा विकसित कर सकते हैं। पिछले कुछ दशकों में बनाए गए जिलों का लागत—लाभ विश्लेषण करने की आवश्यकता है। एक नया जिला अधिकारिक निर्माण और शहरीकरण को बढ़ावा देता है, लेकिन इससे क्या शासन और पर्यावरण की गुणवत्ता में सुधार हुआ है? उदाहरण के लिए,यह एक विवादास्पद मुद्दा है कि लद्दाख, जिसका प्रशासन पहले एक जिलाधीश द्वारा चलाया जाता था और वहां एक सशक्त स्वायत्त निर्वाचित परिषद थी, उसका कामकाज एक लेफ्टिनेंट गवर्नर, एक मुख्य सचिव, आधा दर्जन सचिवों और अन्य विभागों के समकक्ष उच्च अधिकारियों वाले निजाम में क्या अब अधिक बेहतर ढंग से चल रहा है? और क्या यह सब पारिस्थितिकीय रूप से नाजुक इस क्षेत्र के विकास की गुणवत्ता में सुधार लाया है।

जब मेरी बेटी कुछ साल पहले लेह की जिलाधीश थी, तो अक्सर मजाक में कहा करती थी कि जिस जिले की वह मुखिया है, वह पूरे हरियाणा राज्य से भी बड़ा है। लेह शहर से किसी भी दिशा में पांच घंटे का सफर करने के बावजूद आप उसी जिले में बने रहेंगे, जबकि हरियाणा के केंद्र से मात्र तीन घंटे की यात्रा आपको राज्य की सीमाओं से बाहर ले जाएगी! नई प्रशासनिक इकाइयां बनाने की सनक मुझे उस समय की याद दिलाती है जब हम 1981 में हरियाणा में प्रशिक्षु थे। हममें से एक हिसार जिले में तैनात था, जिसके अंतर्गत एक गांव आदमपुर था, उसे एक ब्लॉक मुख्यालय के तौर पर अपग्रेड किया गया था क्योंकि तत्कालीन मुख्यमंत्री उस जगह से थे। हिसार के जिलाधीश जोकि मेरे बैचमेट थे, मजाक में कहा करते थे कि एक दिन वे आदमपुर डिवीजन के डिवीजनल कमिश्नर के रूप में सेवानिवृत्त होंगे। हालांकि वह भविष्यवाणी सच नहीं हुई, लेकिन कौन जानता है कि 'अधिकतम सरकार' का लालच कितनी दूर तक जाएगा।—लेखक पूर्व चुनाव आयुक्त हैं।

बांग्लादेश में हिन्दुओं पर अत्याचार और तंत्र

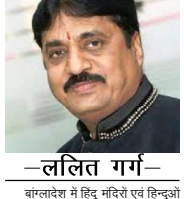

—ललित गर्ग—

बांग्लादेश में हिंदू मंदिरों एवं हिन्दुओं पर हो रहे हमलें, मशहूर जेशोश्वरी मंदिर में मुकुट का चोरी होना, हिन्दू अल्पसंख्यकों से जबरन इस्तीफा के लिये दबाव बनाने की घटनाएं, दुर्गा पूजा के पंडाल पर हमले चिन्ता के बड़े कारण हैं, यह हिन्दू अस्तित्व एवं अस्मिता को कुचलने की साजिश एवं षडयंत्र है, जिस पर भारत सरकार को गंभीर होने के साथ इन पर नियंत्रण की ठोस कार्रवाई की अपेक्षा है। बीते अगस्त में शुरू हुई राजनीतिक उथल—पुथल के बीच शेख हसीना का प्रधानमंत्री पद से हटना और भारत आने के बाद बांग्लादेश में भारत विरोधी गतिविधियों को असामाजिक तत्वों व कट्टरपंथियों द्वारा हवा दिया जाना शर्मनाक एवं विडम्बनापूर्ण है। नई दिल्ली में बांग्लादेश के हिन्दू—अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के प्रश्न को लेकर बार—बार चिंता तो व्यक्त की जा रही है, लेकिन कराए एवं सख्त संदेश देने की कोई कोशिश होती हुई नहीं दिख रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा सरकार के शासन में यदि ऐसी घटनाओं पर सख्ती नहीं बरती गयी तो फिर कब बरती जायेगी? यह विडंबना ही है कि नोबेल शांति पुरस्कार विजेता व कार्यवाहक रूप में सरकार के मुखिया का दायित्व निभा रहे मोहम्मद यूनुस के कार्यकाल में हिन्दुओं एवं हिंदू पहचान के प्रतीकों को निशाना बनाया जाना बदस्तूर रहना किसी अन्तर्राष्ट्रीय साजिश का हिस्सा हो सकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने नागपुर में विजयदशमी पर्व पर आयोजित रैली को सम्बोधित करते हुए हिन्दुओं पर हो रहे इन हमलों को लेकर बड़ा संदेश दिया है, अपेक्षा है सरकार भी जैसे को तैसे वाली स्थिति में आकर हिन्दुओं की रक्षा की सार्थक एवं प्रभावी पहल करें।

बांग्लादेश की आबादी में 7.95 फीसदी—सवा करोड़ से ज्यादा हिंदू शामिल हैं। पाकिस्तान और अफगानिस्तान में हिंदुओं के खिलाफ जो कुचक्र रचे गये, उसी तरह की साजिश बांग्लादेश में सिर उठा रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दो महीने में बांग्लादेश के 52 जिलों में हिंदू समुदाय पर हमले की 200 से ज्यादा घटनाएं हुई। आज बांग्लादेश सांप्रदायिकता एवं कट्टरता की आग में झुलस रहा है। सांप्रदायिकता और धार्मिक कट्टरता लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा है। दोराहे पर खड़े बांग्लादेश में यह खतरा बढ़ता जा रहा है। खतरे की गंभीरता को देखते हुए वहां अंतरिम सरकार ने हिंदू मंदिरों, गिरजाघरों या अल्पसंख्यकों के किसी भी धार्मिक संस्थान पर हमलों की जानकारी देने के लिए हॉटलाइन शुरू की थी, लेकिन कितनी ही शिकायतें मिलने के बावजूद उन पर कार्रवाई का न होना, इनको लेकर मोहम्मद यूनुस सरकार का चुप्पी साधे रखना इस समस्या को गंभीर बना रहा है। बांग्लादेश के कट्टरपंथी वहां के हिंदुओं के लिए ही नहीं, भारत की सुरक्षा के लिए भी खतरा बन रहे हैं। इन हमलों एवं कट्टरतावादी शक्तियों का सक्रिय होना भारत एवं बांग्लादेश दोनों ही देशों के लिये खतरनाक है। कट्टरपंथियों के निरंकुश बने रहने से वहां की सरकार के इरादे और इच्छाशक्ति सवालों के घेरे में है।

इसे भी पढ़ेंरू मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना, ये क्या केवल एक धर्म विशेष की ही जिम्मेदारी है? कट्टरपंथियों के अत्याचार से कैसे बांग्लादेश में तार—तार हो रहे हिंदुओं के मानवाधिकार

भारत ने उचित तरीकों से ही इन घटनाओं को बेहद गंभीर बताते हुए इन पर न केवल चिंता जताई बल्कि अपनी आपत्ति भी दर्ज कराई। गौर करने की बात है कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का यह मसला धीरे—धीरे दोनों देशों के रिश्तों में खटास घोलते हुए एक अहम फैक्टर बनता जा रहा है। दुर्गापूजा के पंडाल में बम फेंके जाने की खबर स्वाभाविक ही बांग्लादेशी हिंदू बिरादरी को सहमा एवं डरा देने वाली है। जेशोश्वरी मंदिर में मां काली के ताज की चोरी इस मायने में भी अहम है कि यह ताज 2021 में अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तोहफे के तौर पर दिया था। यही नहीं, गुरुवार को चटगांव में दुर्गापूजा के दौरान कुछ लोगों द्वारा जबरन इस्लामी क्रांति के गीत गाए जाने की भी खबर आई। ऐसे में भारत अगर इन घटनाओं के पीछे सुनियोजित साजिश की आशंका जता रहा है तो उसे निराधार नहीं कहा जा सकता। ऐसे में लगातार बिगड़ती स्थितियों में यूनुस और उनके सहयोगियों को शासन और कूटनीति से जुड़े गंभीर मसलों पर परिपक्वता दिखानी होगी। आंदोलन से जुड़े गैर जिम्मेदार तत्व अनाप—शनाप आरोप लगाएं तो कुछ हद तक समझा जा सकता है लेकिन अगर शासन में बैठे लोग भी इन तत्वों का समर्थन करते हुए दिखें तो उसे सही नहीं कहा जा सकता। यह एक अराजकता की स्थिति है।

बांग्लादेश में बद से बदतर हो रहे हालात एवं हिंदुओं पर लगातार हो रहे अत्याचार, उत्पीड़न, हमलों को लेकर संघ प्रमुख मोहन भागवत ने सावधान कर कोई गलत नहीं किया। सक्रिय, व्यवस्थित और संगठित होकर ही ऐसी नापाक एवं संकीर्ण मानसिकताओं का माकूल जबाव दिया जा सकता है। भागवत ने कहा, 'दुर्बल रहना अपराध है, हिंदू समाज को ये समझना चाहिए। अगर आप संगठित नहीं रहते हैं, तो आपको मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।'' देश के दुश्मनों की ओर इशारा करते हुए मोहन भागवत ने कहा, 'भारत लगातार आगे बढ़ रहा है, लेकिन जब कोई भी देश जो आगे बढ़ रहा होता है तो उसकी राह में अडंगा लगाने वाले लोग भी बहुत सारे होते हैं। इसलिए दूसरे देशों की सरकारों को कमजोर करना दुनिया में चलता रहता है।' लेकिन किसी राष्ट्र को कमजोर करने के लिये हिंदुओं यानी अल्पसंख्यकों पर हमलों का सहारा लेना, उन्हें प्रोत्साहित करना विकृत एवं अराष्ट्रीय मानसिकता का द्योतक है।

वैसे भी बांग्लादेश का विकास भारत के सहयोग पर निर्भर है, जिस भू—भाग को रवींद्रनाथ टैगोर 'आमार सोनार बांग्ला' (मेरा स्वर्णिम बंगाल) कहते थे, जहां की अर्थ—व्यवस्था एवं अन्य विकास योजनाएं भारत के सहयोग से ही आगे बढ़ती रही है, कभी भारत की कोशिशों से ही बांग्लादेश अस्तित्व में आया था। बांग्लादेश को आधी से ज्यादा बिजली भारत से मिलती है। अनाज की बड़ी सप्लाई भी भारत से होती है। अगर भारत ने व्यापारिक संबंध तोड़ लिए तो बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था चौपट हो सकती है। बावजूद इन सब स्थितियों के वहां भारत—विरोधी घटनाओं का उग्र से उग्रतर होना खुद के पांव पर कुल्हाड़ी चलाने जैसा है। बांग्लादेशी आकाओं को भगवान सद्बुद्धि दे। फिर भी अगर बांग्लादेश नहीं सुधरता है तो समय आ गया है कि हिंदुओं को निशाना बनाने की घटनाओं पर भारत कड़ा रुख अख्तियार करे। बांग्लादेश पर दबाव बनाने के साथ अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस मुद्दे को पुरजोर ढंग से उठाना चाहिए। इसके लिए कूटनीतिक प्रयास तेज करने की जरूरत है।

हिन्दू धर्म भारत की संस्कृति एवं आत्मा है। हिन्दू धर्म संयम, त्याग और बलिदान का धर्म है। इसमें हमेशा दूसरे धर्मों को सम्मान देने का काम किया है। हिन्दू धर्म उदारता, प्रेम, आपसी सद्भाव और सहनशीलता पर आधारित धर्म है। हिन्दू धर्म की सहिष्णुता को कमजोर मानकर हिन्दू धर्म की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का कार्य लगातार होता रहा है। वैसे तो प्रत्येक धर्म की अपनी मान्यताएं होती है, किन्तु विकृत मानसिकता वाले लोगों ने हिन्दू धर्म को मध्यकाल से ही नीचा दिखाने की कोशिशें की। भारत पर लगातार आक्रांताओं के हमले होते रहे और बड़े पैमाने पर धर्मांतरण कराया गया। हिन्दुओं के लाखों मंदिर तोड़े गए। हिन्दुओं से अपनी ही देश में हिन्दू होने पर 'जजिया' यानि कर लगाया गया। पूर्व की सरकारों ने भी वोट की राजनीति के चलते हिन्दुओं को दोयम दर्जा पर रखा। फिर भी हिन्दू धर्म ने उदारता और सहनशीलता को नहीं छोड़ा। अगर हिन्दू कट्टर होता तो अन्य धर्मों के लोग भारत में नहीं दिखते। देश बंटवारे के समय पाकिस्तान में 20 प्रतिशत से ज्यादा हिन्दू थे लेकिन आज उनकी आबादी 2 प्रतिशत भी नहीं रही और भारत में मुसलमानों की आबादी 2 प्रतिशत से 20 प्रतिशत नहीं होती। यह हिन्दू उदारता का ही परिणाम है। लेकिन प्रश्न है कि आखिर कब तक हिन्दू ऐसी अग्नि परीक्षा देता रहेगा? कब तक हिन्दू की सहिष्णुता को कमजोरी मानकर उन पर अत्याचार होते रहेंगे? कब तक हिन्दू शक्तिसम्पन्न होकर भी निर्बल बना रहेगा? इन सवालों के जबाव तलाशने होंगे वर्ना हिन्दुओं को अस्तित्वहीन करने की कोशिशें कामयाब होती रहेगी।

—लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

काम का बढ़ता बोझ

—डॉ. शशांक द्विवेदी—

पिछले दिनों लखनऊ में एचडीएफसी बैंक में काम करने वाली एक महिला कर्मचारी 45 वर्षीय सदफ फातिमा की कथित रूप से वर्क प्रेशर के चलते जान चली गई। इसके पहले पुणे में 'अर्नस्ट एंड यंग' में काम करने वाली एक युवा सीए 26 साल की ऐना सेबेस्टियन पेरायिल की वर्क प्रेशर के चलते मौत हो गई थी। इन दोनों ही घटनाओं ने वर्किंग कल्चर और वर्क लाइफ बैलेंस को लेकर बहस छेड़ दी है।

ऐना और फातिमा की मौत के बाद देश में वर्क प्रेशर को लेकर बहस और चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। राजनीतिक दलों और बड़े डॉक्टरों ने भी सरकार को चेताया है। डॉक्टरों की मानें तो भारत में ओवरवर्क का ट्रेंड बेहद कॉमन है। हाल के दिनों में ऑफिस और फैक्टरियों के कर्मचारियों पर काम के दबाव के कारण मौत के कई मामले सामने आए हैं। रिसर्च में खुलासा हुआ है कि ज्यादातर युवाओं की मौतें वर्क लोड की वजह से हुई हैं। इसे डॉक्टर ऑक्यूपेशनल डेथ कहते हैं। ये मौतें काम करते—करते हुई हैं। इनको वर्क रिलेटेड डेथ ट्रीट किया जाना चाहिए, इनको मुआवजा मिलना चाहिए। भारत विकसित देश की ओर अग्रसर है, ऐसे में कंपनियों और फैक्टरियों में इस तरह की घटनाएं और बढ़ेंगी। भारत सरकार को इसके लिए तुरंत ही कानून लाना चाहिए।

वर्ष 1969 में जापान में इस तरह की पहली मौत हुई थी। एक 29 साल का लड़का न्यूज पेपर के शिपिंग डिपार्टमेंट में काम करते—करते मर गया था। लड़के के मरने के बाद उसकी पत्नी ने कंपनी से मुआवजा मांगा। कंपनी ने मुआवजा नहीं दिया तो इसको लेकर एसोसिएशन बनी। धीरे—धीरे कई और लोग भी सामने आए, इसके बाद यह मांग पश्चिम के देशों में भी उठने लगी। इसके बाद एक 'डेथ ड्यू टू ओवर वर्क एसोसिएशन' बनी। ड्यूएएचओ ने भी माना कि लांग वर्किंग ऑवर्स की वजह से दुनिया में 60 लाख से ज्यादा लोग हर साल मरते हैं। यहां तक कि डेथ ड्यू टू ओवर वर्क में कोई शख्स सुसाइड करता है तो भी उसके परिवार वालों को अब जापान में मुआवजा मिलता है।

साल 2014 में, जापान की सरकार एक एक्ट लेकर आई, जिसे करोशी एक्ट कहते हैं। इस एक्ट के तहत वर्क रिलेटेड डेथ ऑक्यूपेशनल डेथ को लेकर कई सारी गाइडलाइंस हैं, जिसे वहां की कंपनियां फॉलो करती हैं। जैसे साल 2018 के बाद जापान ने ओवरटाइम घंटों को सीमित कर दिया। एक वर्कर महीने में 45 घंटे से ज्यादा और साल में 360 घंटे तक ही ओवरटाइम कर सकता है।

वैसे तो भारत में वर्किंग ऑवर 8 से 9 घंटे का होता है। इस तरह लोग हर हफ्ते 45 से 48 घंटे काम करते हैं। हालांकि, कुछ कंपनियों में वर्किंग ऑवर के बाद भी काम करना पड़ता है। इसकी वजह से न सिर्फ उनकी शारीरिक स्थिति पर असर पड़ता है, बल्कि काम के दबाव के चलते मानसिक तौर पर भी कर्मचारी कमजोर हो जाता है। हालांकि, दुनिया के कुछ ऐसे भी मुल्क हैं, जहां वर्क लाइफ बैलेंस काफी ज्यादा अच्छा है। वहां लोग हफ्ते में 30 घंटे या उससे भी कम काम करते हैं।

इंटरनेशनल लेबर ऑर्गेनाइजेशन की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रशांत महासागर में स्थित वनातू नाम के देश में सबसे कम घंटे तक लोग काम करते हैं। यहां एक कर्मचारी हर हफ्ते सिर्फ 24.7 घंटे काम करता है। वनातू की सिर्फ 4 फीसदी आबादी ही हफ्ते में 49 घंटे या उससे ज्यादा काम करती है।प्रशांत महासागर में ही किरिबाती का एक कर्मचारी हर हफ्ते औसतन 27.3 घंटे काम करता है। हैरानी की बात यह है कि भारत सबसे कम वर्किंग ऑवर वाले देशों में टॉप 20 में भी शामिल नहीं है। यहां की 51 फीसदी वर्कफोर्स हर हफ्ते 49 घंटे या उससे ज्यादा काम करती है। भारत दुनिया में सबसे ज्यादा घंटों तक काम करने वाले मुल्कों में दूसरे स्थान पर है।पिछले साल देश की उत्पादकता बढ़ाने के लिए सप्ताह में 70 घंटे काम करने का सुझाव देने को लेकर इन्फोसिस के सह संस्थापक नारायण मूर्ति की काफी आलोचना हुई थी।

बहराइच में बवालः महराजगंज कांड के मुख्य आरोपी व उसके बेटों की मिली लोकेशन, नेपाल भागने की फिराक में

संवाददाता–बहराइच। महाराजगंज में प्रतिमा विसर्जन के दौरान हुई हिंसा और बवाल के मुख्य आरोपी अब्दुल हामिद व उसके बेटों के बेहड़ा में छिपे होने की सूचना मिली है। उनकी धरपकड़ के लिए एटीएस ने बेहड़ा में डेरा डाल दिया है और सघन जांच शुरू हो चुकी है। आरोपी नेपाल भागने की फिराक में बताए जा रहे हैं। जिलें में सुरक्षा के लिए भारी पुलिस बल तैनात है। पुलिस–प्रशासन की नाकामी से ही बहराइच में हिंसा भड़की। प्रतिमा विसर्जन के दिन सुरक्षा के इंतजाम नाकाफी थे। हिंसा होने का कोई भी इनपुट नहीं था। हैरानी यह है कि सोमवार को दूसरे दिन भी सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम करने में अफसर नाकाम साबित हुए। इसलिए दूसरे दिन बवाल, तोड़फोड़ और आगजनी हुई। पूरे मामले में पुलिस का खूफिया तंत्र फेल रहा। पूरे घटनाक्रम में एडीजी जोन से लेकर आईजी और एसपी बहराइच सवालों के घेरे में हैं।

पुलिस–प्रशासन की नाकामी से ही बहराइच में हिंसा भड़की। प्रतिमा विसर्जन के दिन सुरक्षा के इंतजाम नाकाफी थे। हिंसा होने का कोई भी इनपुट नहीं था। हैरानी यह है कि सोमवार को दूसरे दिन भी सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम करने में अफसर नाकाम साबित हुए। इसलिए दूसरे दिन बवाल, तोड़फोड़ और आगजनी हुई। पूरे मामले में पुलिस का खूफिया तंत्र फेल रहा। पूरे घटनाक्रम में एडीजी जोन से लेकर आईजी और एसपी बहराइच सवालों के घेरे में हैं।

रविवार को पहले दिन हिंसा के बाद मुख्यमंत्री ने घटना का संज्ञान लिया था। उच्चाधिकारियों को निर्देश दिये थे। अफसरों ने दावा किया था कि अब सुरक्षा के पूरे इंतजाम कर लिए गए हैं। लेकिन सोमवार सुबह जब रामगोपाल का शव घर पहुंचा तो उसके बाद कई घंटे तक गांवों और कस्बों में तोड़फोड़, आगजनी और अराजकता होती रही। दोपहर बाद जब एडीजी एलओ ने मोर्चा संभाला तब जाकर कुछ माहौल शांत हुआ। सवाल है कि आखिर पहले दिन हिंसा के बाद दूसरे दिन लापरवाही क्यों बरती गई? पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती क्यों नहीं की गई? ऐसे तमाम सवाल पुलिस पर उठ रहे हैं।

तेंदुए के हमले से युवक गम्भीर रूप से घायल

संवाददाता–महराजगंज। लक्ष्मीपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत भगवानपुर बरगदवा में मंगलवार को सुबह खेत देखने गए युवक पर अचानक तेंदुए ने हमला कर दिया। इससे युवक गम्भीर रुप से घायल हो गया। सूचना पर परिजनों ने सीएचसी लक्ष्मीपुर में भर्ती कराया है, जहां उसका इलाज जारी है। सोहगीबरवा वन्य जीव प्रभाग के लक्ष्मीपुर रेंज के ग्राम पंचायत भगवानपुर बरगदवा निवासी मोहन चौहान 23 मंगलवार को सुबह करीब सात बजे बगल के टोले अमहवा में अपना खेत देखने गया था। तभी बगल की खेत से एक तेंदुए ने अचानक हमला कर दिया।

घायल युवक के शोर मचाने पर तेंदुआ भाग गया, लेकिन इस दौरान मोहन काफी घायल हो गया था। सूचना पाकर ग्रामीण व परिजनों ने घायल युवक को के एम्बुलेंस के सहयोग से सीएचसी भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने उसका इलाज शुरू कर दिया। भगवानपुर गांव जंगल से सटे है। यहां जंगली जानवरों से हर वक्त ग्रामीणों को डर बना रहता है। लक्ष्मीपुर सीएचसी अधीक्षक डॉ. बीके शुक्ला ने बताया कि घायल युवक को काफी चोटें आई हैं। युवक का इलाज जारी है। वन क्षेत्राधिकारी लक्ष्मीपुर वेद प्रकाश शर्मा ने बताया कि जंगल के निकट खेत में तेंदुए ने एक युवक पर हमला की जानकारी मिली है। घटनास्थल पर वनकर्मियों को भेजा गया है। अभी तेंदुए का पता नहीं चला है।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांडः पुलिस ने दो लोगों को उठाया, वारदात में सहयोगी रहने का आरोप

संवाददाता–बहराइच। मुंबई के बहुचर्चित एनसीपी नेता और पूर्व मंत्री रहे बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के तार बहराइच से दिन के दिन जुड़ते ही जा रहे हैं। पहले जहां इस मामले में यहां के दो युवकों का नाम सामने आया था। वहीं अब पुलिस ने दो अन्य युवकों को भी उठाया है। मुंबई पुलिस व यूपी एसटीएफ इस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के सूत्र बताते हैं कि कैसरगंज कोतवाली क्षेत्र के गंडारा गांव से बाबा हत्याकांड के आरोपी धर्मराज के छोटे भाई अनुराग और गांव के दूसरे युवक हरीश को मुंबई पुलिस ने हिरासत में लिया है और अपने साथ लेकर गई है।

इसके अलावा यह भी पता चला है कि यहां के दो से तीन ऐसे लोग हैं जिनके खातों में कुछ दिन पहले 50–50 हजार रुपए मुंबई से किसी व्यक्ति के द्वारा ट्रांसफर किए गए थे। वहीं, इस मामले में फरार चल रहे हैं आरोपी शिवकुमार उर्फ शिवा गौतम की सोशल मीडिया प्रोफाइल पुलिस ने चेक की है जिसमें उसके द्वारा खुद को गैंगस्टर बताते हुए पोस्ट करने की बात सामने आई है। पुलिस इस मामले में अन्य कई बिंदुओं पर जांच कर रही है। सूत्र बताते हैं कि यहां पर करीब आधा दर्जन लोगों को पुलिस ने पूछताछ के लिए हिरासत में लिया हुआ है। मुंबई पुलिस के साथ, यूपीएसटीएफ भी इस मामले को लेकर सक्रिय है और लगातार बहराइच में डेरा डाले हुए हैं। ऐसे में यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि इस मामले में आने वाले समय में बहराइच से कई लोगों के नाम के सामने आ सकते हैं और उन पर कार्रवाई हो सकती है। हालांकि, यहां पर आधिकारिक तौर पर इस मामले को लेकर कोई जानकारी मीडिया को नहीं दी जा रही है।

बहराइच में कैसरगंज कोतवाली क्षेत्र में काफी पिछड़ा माना जाने वाला गंडारा गांव अचानक प्रदेश से लेकर देश में चर्चा का विषय बना हुआ है। यहां के ज्यादातर युवक अपनी रोजी–रोटी के लिए मुंबई समेत देश के विभिन्न महानगरों में जाते हैं और अब यहां के लोगों का नाम लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ गया है और उनके द्वारा देश का चर्चित हत्याकांड करने का मामला सामने आया है। वहीं, इन बातों को लेकर गांव के लोगों को अभी भी विश्वास नहीं हो रहा है कि यहां के सीधे–साधे लड़के इस तरह का काम कर सकते हैं। मुंबई पुलिस ने आरोपी धर्मराज के भाई अनुराग को हिरासत में तो लिया है लेकिन उसके कुछ दिन पहले चोट लगी थी और वो घर पर ही रह रहा था। कैसरगंज पुलिस की मानें तो इसके कुछ दिन पहले अनुराग स्थानीय स्तर पर हुए छेड़छाड़ के एक मामले में जेल में जा चुका है। बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में आरोपी धर्मराज व शिवकुमार गौतम उर्फ शिवा के स्थानीय स्तर के करीब एक दर्जन से अधिक दोस्तों से भी पुलिस ने पूछताछ की है लेकिन कई ऐसे युवक हैं जो अभी तक पुलिस को नहीं मिले हैं। उनको भी पुलिस पूछताछ के लिए बुला रही है। मुंबई पुलिस का मकसद है कि इनसे पूछताछ कर धर्मराज और शिवा की कार्यशैली व इनकी सोच क्या थी और किस तरह के लोगों से संपर्क में थे। अपने दोस्तों से कैसी बातें करते थे या सब जानकारी करना ही मुख्य उद्देश्य है। वहीं, कई युवक शक के दायरे में है जिनको भी पूछताछ के लिए बुलाया जा रहा है।

नेपाल से चरस की खेप लेकर आ रहे दो दबोचे गए

संवाददाता–महराजगंज। सीमा पर मादक पदार्थों की तस्करी थमने का नाम नहीं ले रही है। मंगलवार को सोनौली पुलिस व एसएसबी की टीम ने नेपाल से तस्करी कर लाई जा रही चरस को बरामद किया है। 165 गोलियों की शक्ल में 1600 ग्राम चरस के साथ दो आरोपी दबोचे गए हैं, जो सोनौली के ही रहने वाले हैं। बरामद चरस की कीमत लाखों में बताई जा रही है। सीमा पर मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए एसपी सोमेन्द्र मीना के निर्देश पर पुलिस अभियान तेज कर दी है। भारत–नेपाल सीमा पर सोनौली पुलिस व एसएसबी की संयुक्त टीम जांच कर रही थी कि नेपाल से चरस की तस्करी होने की मुखबिर से सूचना मिली। टीम ने सोनौली के फरेंदी बाजार के पास नेपाल सीमा से आ रहे दो युवकों मुलायम यादव निवासी पपरहिया सोनौली व अनिल चौधरी निवासी घनश्याम नगर सोनौली को शक के आधार पर रोका। दोनों की तलाशी ली गई तो 165 गोली कुल वजन 1600 ग्राम चरस बरामद हुआ। अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रति ग्राम तीन हजार रुपये बताई जा रही है। इस मामले में पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर दोनों को जेल भेज दिया। तस्करी की चरस बरामदगी में एसआई अभय कुमार उपाध्याय, हेड कांस्टेबिल अक्षय कुमार, कांस्टेबिल अवनीश कुमार यादव, एसएसबी के सहायक सेनानायक हरिमोहन मीना, एसआई महेन्द्र कुमार, मारकंडेय, श्यामनारायण महतो व जीवन कुमार शामिल रहे।

दो दिवसीय दौरे पर श्रावस्ती पहुंचे राष्ट्रीय लोक दल प्रदेश अध्यक्ष

संवाददाता–श्रावस्ती। राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय मंगलवार को दो दिवसीय दौरे पर श्रावस्ती के मुख्यालय भिनगा पहुंचे। श्रावस्ती की सीमा में पहुंचते ही जगह–जगह रालोद कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष का जोरदार स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने अरविंद उत्सव पैलेस में पार्टी कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद किया। प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं की ओर से दिए गए सुझाव को शीर्ष नेतृत्व तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। संगठन के विस्तार पर भी चर्चा हुई।

रालोद प्रदेश अध्यक्ष ने लोक निर्माण विभाग के निरीक्षण भवन में लोगों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि पार्टी को बूथ स्तर पर मजबूत बनाने के लिए वे जिलों के भ्रमण पर निकले हैं। बहराइच में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान हुई हिंसात्मक घटना पर दुख जताते हुए कहा कि इसमें गहरा षड़यंत्र दिखाई पड़ता है। इतनी बड़ी घटना के बावजूद सूबे की सरकार ने तत्परता से कार्रवाई की। अखिलेश यादव के बयान को गैर जिम्मेदाराना बताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ला एंड आर्डर को मजबूत करने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि रालोद कार्यकर्ताओं ने जो भी मांगे और सुझाव दिए हैं, उन्हें हम भाजपा का सहयोगी होने के नाते सरकार के सामने रखेंगे। भिनगा विधानसभा में लगातार भाजपा की हार पर उन्होंने कहा कि हम बूथ स्तर पर खुद को मजबूत कर रहे हैं। संगठन मजबूत होने के बाद हम उन सीटों पर अपनी दावेदारी जरूर करेंगे, जहां आवश्यकता होगी। इसके बाद भिनगा में कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने फूल मालाओं से स्वागत किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं में उत्साह भरते हुए कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार अच्छा काम कर रही है। इससे राष्ट्रीय लोक दल भी कंधे से कंधा मिला कर साथ दे रही है। सभी कार्यकर्ता सक्रिय होकर काम करते रहें। इस दौरान प्रदेश सचिव एसएन सिंह, जिलाध्यक्ष राजकुमार ओझा, पूर्व जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सड़क सुरक्षा को लेकर निकाली गई जागरुकता रैली, बांटे गए हेलमेट

संवाददाता–श्रावस्ती। लोगों को सड़क सुरक्षा के लिए जागकरूक करने को मंगलवार को जागरूकता रैली निकाली गई। जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने कलेक्ट्रेट परिसर से हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। इस दौरान कर्मचारियों को हेलमेट का वितरण भी किया गया। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी व पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने कलेक्ट्रेट सभागार में नगर पालिका, कलेक्ट्रेट व अन्य विभागों के कर्मचारियों को हेलमेट देकर सड़क सुरक्षा की शपथ दिलायी। डीएम ने कहा कि सभी अधिकारी व कर्मचारी दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट व चार पहिया वाहन चलाते समय सीटबेल्ट का प्रयोग अवश्य करें। साथ ही बाइक से आएं तो हेलमेट पहनकर ही कार्यालय आएं। जिलाधिकारी ने सभी जनपद वासियों से अपील किया कि जीवन को सुरक्षित रखने के लिए वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन अवश्य करें। 18 वर्ष से कम बच्चों को वाहन न चलाने दें। नशे की हालत में व मोबाइल पर बात करते हुए वाहन न चलाएं। वहीं पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जीवन अनमोल है। लापरवाही से वाहन चलाकर जीवन को खतरे में न डालें।

आपरेशन गरुण से साइबर पुलिस ने ठगों से वापस कराया 6.76 लाख

संवाददाता–महराजगंज। एसपी सोमेन्द्र मीना के निर्देश पर साइबर क्राइम थाने की पुलिस ने मिशन शक्ति फेज 5 और आपरेशन गरुड के पहले चरण में साइबर अपराध से धोखाधड़ी का शिकार तीन महिलाओं का 6 लाख 76 हजार 521 रूपये धनराशि वापस कराने में सफलता पाई है। खाते में पैसा आने के बाद पीड़ित महिलाओं के चेहरे पर मुस्कान आ गई।

सिसवा बाजार की सोनाली सोनी, कोतवाली की अर्चना देवी व सिन्दुरिया थानाक्षेत्र के बरवा कला की रहने वाली पूजा चौबे ने एसपी को प्रार्थना पत्र देकर उनके साथ साइबर फ्राड की घटना की जानकारी देकर पैसा वापस कराने की गुहार लगाया था। एसपी के निर्देश पर साइबर थाना की पुलिस कार्रवाई में जुट गई। शिकंजा कसने के बाद साइबर फ्राड करने वालों ने सोनाली सोनी के खाते में 1 लाख 84 हजार 521 रूपया, अर्चना देवी का 3 लाख 77 हजार रूपया व पूजा चौबे का एक लाख रूपया उनके खाते में वापस कर दिया। पुलिस कार्यालय के मुताबिक कुल मिलाकर छ6 लाख 76 हजार 521 की धनराशि फ्रॉड से वापस कराई गई। साथ ही पांच पंजीकृत मामलों का निस्तारण किया गया। साइबर अपराध के प्रति जागरूकता के लिए 13 हजार पंपलेट विभिन्न स्थानों पर बांटे और चस्पा किए गए हैं। जिले के सभी थानों में पोस्टर और पंपलेट वितरित किए गए हैं और स्कूलों व कॉलेजों में मिशन शक्ति के तहत साइबर क्राइम के बारे में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। साइबर फ्राड से पीड़ितों के खाते में पैसा वापस कराने वाली टीम में साइबर क्राइम टीम के प्रभारी निरीक्षक सजनू यादव, एसआई अमित यादव, कम्प्यूटर आपरेटर ग्रेड ए प्रफुल्ल कुमार यादव, हेड कांस्टेबल सत्येन्द्र मल्ल, आलोक पांडेय, महिला हेड कांस्टेबल चन्द्रप्रभा वर्मा, कांस्टेबल पियूष नाथ तिवारी, महिला आरक्षी गुंजन यादव, अर्पिता मिश्रा आदि शामिल रहीं।

घर व दुकानों को रंगने के लिए ब्रांडेड रंगों की मांग

संवाददाता–देवरिया। दीपावली का त्यौहार करीब है। लोग घर व दुकानों को रंगने की जुगत में लग गए हैं। हर साल की तरह इस वर्ष भी ब्रांडेड रंगों की मांग बाजार में अधिक है। अच्छी कंपनियों के आउटलेट पर ग्राहक उमड़ रहे हैं। रंग की दुकानें ग्राहकों से पट गई हैं। लोग अपनी रुचि के अनुसार पेंट खरीद रहे हैं। ग्राहक गुणवत्ता को प्राथमिकता देने रहे हैं। इसके चलते बर्जर, एशियन पेंट्स, नेरोलेक समेत अनेक ब्रांडेड कंपनियों के पेंट के आउटलेट ग्राहकों से खचाखच भरे रहते हैं। अब लोगों का फोकस वाटर प्रूफ व इमलसन पेंट पर है। कंपनियां दीवारों को रंग रंगने के लिए केवल सैकड़ों कलर बाजार में उपलब्ध हैं। वहीं मौसम से बेअसर रहने वाले पेंट और लंबे समय तक चलने वाले पेंट की रेंज कंपनियों ने उतार रखी है। लकड़ी व लोहे के लिए भी 4–5 प्रकार के पेंट बाजार में उपलब्ध हैं। इसका लाभ यह है कि ग्राहकों के पास चुनने के लिए बहुत कुछ है। लकड़ी के पेंट 250 से 300 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। दीवारों पर लगने वाला पेंट तीन हजार से 10 हजार रुपये प्रति 20 लीटर का है।

बहराइच हिंसाः पीड़ित परिवार को सीएम योगी ने दी 10 लाख रुपये की सहायता, आवास व शौचालय स्वीकृत किया

संवाददाता–बहराइच। लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात के बाद बहराइच हिंसा में मारे गए युवक रामगोपाल मिश्रा के परिजन वापस लौट आए हैं। इस दौरान लगभग शाम छह बजे एसडीएम अखिलेश सिंह, डीडीओ राजकुमार समेत अन्य अधिकारी गांव पहुंचे। सभी ने पीड़ित परिजनों को 10 लाख की सहायता राशि का चेक भेंट किया। साथ ही मुख्यमंत्री आवास व शौचालय का स्वीकृति पत्र भी दिया। एसडीएम ने बताया की ये मुख्यमंत्री की ओर से भेंट किया गया है।

परिजनों से मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि बहराइच की दुर्भाग्यपूर्ण घटना में काल–कवलित हुए युवक के शोक संतप्त परिजनों से आज लखनऊ में भेंट की। दुःख की इस घड़ी में उत्तर प्रदेश सरकार पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता से पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। आश्वस्त रहें, पीड़ित परिवार को न्याय दिलाना उत्तर प्रदेश सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है। इस घोर निंदनीय और अक्षम्य घटना के दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

पुलिस–प्रशासन की नाकामी से ही बहराइच में हिंसा भड़की। प्रतिमा विसर्जन के दिन सुरक्षा के इंतजाम नाकाफी थे। हिंसा होने का कोई भी इनपुट नहीं था। हैरानी यह है कि सोमवार को दूसरे दिन भी सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम करने में अफसर नाकाम साबित हुए। इसलिए दूसरे दिन बवाल, तोड़फोड़ और आगजनी हुई। पूरे मामले में पुलिस का खूफिया तंत्र फेल रहा। पूरे घटनाक्रम में एडीजी जोन से लेकर आईजी और एसपी बहराइच सवालों के घेरे में हैं। रविवार को पहले दिन हिंसा के बाद मुख्यमंत्री ने घटना का संज्ञान लिया था। उच्चाधिकारियों को निर्देश दिये थे। अफसरों ने दावा किया था कि अब सुरक्षा के पूरे इंतजाम कर लिए गए हैं। लेकिन सोमवार सुबह जब रामगोपाल का शव घर पहुंचा तो उसके बाद कई घंटे तक गांवों और कस्बों में तोड़फोड़, आगजनी और अराजकता होती रही। दोपहर बाद जब एडीजी एलओ ने मोर्चा संभाला तब जाकर कुछ माहौल शांत हुआ। सवाल है कि आखिर पहले दिन हिंसा के बाद दूसरे दिन लापरवाही क्यों बरती गई? पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती क्यों नहीं की गई? ऐसे तमाम सवाल पुलिस पर उठ रहे हैं।

प्रतियोगिता में 33 छात्र-छात्राओं को मिला मेडल

संवाददाता–गोण्डा। प्रांतीय ज्ञान विज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन हरदोई के श्री बाबूराम सरस्वती शिशु मन्दिर अल्लीपुर में हुआ। जिसमें अवध प्रांत के 13 जिलों से आए हुए छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में विज्ञान प्रश्न मंच, विज्ञान पत्र वाचन, विज्ञान प्रदर्श, विज्ञान प्रयोग सहित अन्य विज्ञान संबंधी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। ज्ञान विज्ञान प्रतियोगिता में सरस्वती विद्या मन्दिर इंटर कॉलेज इटियाथोक के 33 छात्र– छात्राओं ने मेडल अपने नाम किया। विद्यालय के 15 छात्र–छात्राओं का चयन क्षेत्रीय विज्ञान प्रतियोगिता में हुआ है। विद्यालय के 15 छात्र–छात्राओं को प्रथम,13 छात्र–छात्राओं को द्वितीय, 5 छात्र–छात्राओं को तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी, विधायक प्रभाष कुमार ने सफल छात्र–छात्राओं को प्रमाण पत्र और मेडल देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में प्रदेश निरीक्षक मिथिलेश अवस्थी, जिला मंत्री विद्या भारती शीर्षेन्दुशील त्रिवेदी, संभाग निरीक्षक श्याम मनोहर शुक्ल, रणवीर सिंह, रामस्वरूम पाण्डेय, श्री मती किरन सिंह, शिवशरन तिवारी, सत्य नारायण ओझा मौजूद रहे। विद्यालय के प्रबंधक प्रदीप पाण्डे ने बताया ज्ञान विज्ञान प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पाने वाले विद्यालय के 15 छात्र–छात्राएं लखनऊ में मंगलवार को आयोजित क्षेत्रीय विज्ञान मेले में प्रतिभाग करेंगे।

विभिन्न मांगों को लेकर आशा कार्यकत्रियों ने भरी हुंकार

संवाददाता–श्रावस्ती। विभिन्न मांगों को लेकर सोमवार को आशा व आशा संगिनियों ने कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। साथ ही मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन डीएम को सौंपा। मांगे न पूरी होने तक आन्दोलनरत रहने की चेतावनी दी।

आशा आशा संगिनी कर्मचारी संगठन के बैनर तले जिलाध्यक्ष उमा मिश्रा की अगुवाई में कार्यकत्रियों ने प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा। विरोध प्रदर्शन के दौरान उमा मिश्रा ने कहा कि भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन देश में लगभग 11 लाख आशा वर्कर्स व करीब एक लाख आशा संगिनी वर्कर्स कार्यरत हैं। इसमें से उत्तर प्रदेश में लगभग दो लाख आशा वर्करों व सात हजार आशा संगिनी वर्कर्स ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में कार्य कर रही हैं जो केन्द्र व राज्य सरकार की ओर से संचालित चार दर्जन से अधिक मदो में कार्य करती है। जिसके लिए इन्हें कोई मानदेय या वेतन न देकर केवल अल्प प्रोत्साहन राशि का भुगतान किया जाता है। ज्ञापन में मांग किया है कि आशा व आशा संगिनी वर्कर्स को राज्य कर्मचारी घोषित करते हुए आशा वर्कर्स को न्यूनतम 18 हजार व आशा संगिनी का न्यूनतम 24 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन भुगतान किया जाय। यह भुगतान प्रभावी होने तक वर्तमान प्रोत्साहन राशि का दो गुना करके दिया जाय। साथ ही आशा संगिनी वर्कर्स को महीने में 20 दिन के बजाय 30 दिन का कार्य दिया जाय।

आशा व आशा संगिनी वर्कर्स का निशुल्क बीमा किया जाय तथा दुर्घटना में मृत्यु होने पर 15 लाख रुपये का मुआवजे के रूप में दिया जाय। सेवानिवृत्ति पर एकमुश्त 10 लाख रुपये दिया जाय। इसी तरह 11 प्रकार के मांगों को पूरा किए जाने की मांग की। इस मौके पर जिले भर से आशा व संगिनी मौजूद रहीं।

धारदार हथियार से मां–बेटे की हत्या, मृतक की पत्नी–बच्चे घर से गायब

संवाददाता–बलरामपुर। बलरामपुर जिले के नगर कोतवाली क्षेत्र के सोनार गांव में मंगलवार को मां–बेटे की सनसनीखेज हत्या का मामला सामने आया है। धारदार हथियार से वारदात को अंजाम दिया गया है। पुलिस अधिकारी मौके पर है। नगर कोतवाली के सोनार गांव में खेत के बीच बने मकान में रह रहे मुन्नू उर्फ रामलाल (45) व लखराजी (80) का शव कमरे में मिला है। मंगलवार की दोपहर इसकी जानकारी पुलिस को हुई है। मृतक की पत्नी व उसके बच्चे घर से गायब हैं। प्रथमदृष्टया मामला पारिवारिक रंजिश का बताया जा रहा है। मौके पर पहुंचे एसपी विकास कुमार ने बताया कि शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। शीघ्र ही घटना का खुलासा कर दिया जाएगा।

बहराइच हिंसा पर भड़के सपा सांसद, कहा– ‘सरकार की बिना मर्जी पत्ता हिला कैसे?’

संवाददाता–बहराइच। बहराइच में दुर्गा पूजा के बाद मूर्ति विसर्जन के दौरान हिंसा और दो समुदायों बीच गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई। इस मामले में चंदौली से समाजवादी पार्टी सांसद वीरेंद्र सिंह ने भारतीय जनता पार्टी पर तंज कसते हुए कहा कि उनके नेता कहते थे कि राज्य में बिना उनकी मर्जी के पत्ता नहीं हिल सकता, फिर यह पत्ता हिल कैसे गया? सपा सांसद ने कहाकि बहराइच में हो रही लगातार हिंसा पर सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिए। वह सीना ठोक कर कहते थे कि उनके राज्य में सांप्रदायिक दंगे नहीं होंगे। बिना हमारी इजाजत के प्रदेश में कोई पत्ता हिल नहीं सकता। तो यह पत्ता अब हिल कैसे रहा है? हालात यह बताते हैं कि स्थिति नियंत्रण में नहीं है। अगर सरकार चाहती, तो दंगों को तुरंत रोका जा सकता था। सत्ता में रहते हुए उनके द्वारा किए गए वादे अब सवाल उठाते हैं। यदि राज्य में एक भी दंगा नहीं हुआ है, तो फिर ये घटनाएं कैसे और क्यों हो रही हैं? वह जो कहते थे हम उसी को याद दिला रहे हैं। वह कहीं भाषण देने का सामान तो नहीं जुटा रहे हैं, या किसी पर कार्रवाई करने के लिए यह सब होने दे रहे हैं। राज्य में वे लोग बड़ा ही प्रचार करते थे कि हमारे राज्य में एक भी दंगा नहीं हुआ। यदि दंगा नहीं हुआ तो यह हो क्या रहा है? सबसे बड़ा सवाल यह है कि वे लोग इन दंगों को रोक क्यों नहीं पा रहे हैं?“ उन्होंने आगे कहाकि सरकार के पास जो शक्ति है, उसे देखते हुए यह समझना मुश्किल है कि अभी तक स्थिति शांत क्यों नहीं हुई। क्या यह किसी विशेष समूह के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए जगह बनाने का प्रयास है? क्या किसी के घर पर बुलडोजर चलाने की बातें हो रही हैं? ऐसे कार्य केवल जनभावनाओं को और भड़काते हैं। राज्य की जनता सब देख रही है। उत्तर प्रदेश में पुलिसिंग पूरी तरह से विफल नजर आ रही है। राज्य के संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस की तैनाती और इंटेलिजेंस नेटवर्क को मजबूत करने की आवश्यकता थी। यदि कोई धार्मिक भावना भड़कती है, तो उसे नियंत्रित करने के लिए तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए, न कि हालात को बिगड़ने देना चाहिए। ऐसे हालात में मामला संभाला जाता है। उनको समझाया जाता है कि ऐसे कारनामे न किए जाएं। उन्होंने कहाकि हमारी परंपरा रही है कि हिंदू और मुसलमान दोनों एक–दूसरे की भावनाओं का सम्मान करते हैं। भगवान श्री राम के पुष्पक विमान का उत्सव होता है। इसमें लाखों लोग एकत्र होते हैं। भगवान का पुष्पक विमान यादव समाज के लोग अपने कंधों पर ले जाते हैं। वहां इस कार्यक्रम में सभी लोग शामिल होते हैं। सरकार को यह ध्यान देना चाहिए कि पुष्पक विमान का रास्ता खुला रहे। यह एक ऐसा अवसर है, जब दोनों समुदाय एक साथ मिलकर उत्सव मनाते हैं। जब सरकार अपने कर्तव्यों में विफल रहती है, तो सामाजिक तनाव बढ़ता है। उदाहरण के लिए, सावन के महीने में भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए लाखों लोग एकत्र होते हैं, लेकिन सरकार वहां भी उचित व्यवस्था नहीं करती।

अधिवक्ता संघ की कलमबंद हड़ताल जारी, सरकारी काम प्रभावित

संवाददाता–महराजगंज। नौतनवा तहसील में अधिवक्ताओं का कलम बंद हड़ताल व धरना प्रदर्शन मंगलवार को भी जारी रहा। तहसील प्रशासन के आश्वासन को अधिवक्ता संघ पूरी तरह से नकार चुका है। अब आंदोलन को और गति देने में लगे हुए हैं। अधिवक्ताओं ने तहसील प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और तत्काल मांग पूरी न होने पर आंदोलन को तेज करने का ऐलान किया। इससे सरकारी कामकाज प्रभावित हो रहा है। अधिवक्ताओं की हड़ताल से तहसील पहुंच रहे फरियादियों को भी निराश लौटना पड़ रहा है। वहीं रजिस्ट्री से लेकर सभी सरकारी कामकाज पूरी तरह ठप पड़ गए हैं। रेवेन्यू बार एसोसिएशन के सचिव रेयाज अहमद का कहना है की तहसील प्रशासन यदि मांग पूरी नहीं कर रहा है तो बुधवार से तालाबंदी के साथ पुतला फूंकने का भी काम किया जाएगा। अधिवक्ता संघ का कहना है कि अधिवक्ता अरुणेश के पक्ष में पारित आदेश होने के बावजूद भी तहसील प्रशासन अमल नहीं करा पा रहा है। प्रदर्शन में अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष गिरीश चंद्र त्रिपाठी, वृजेन्द्र मणि त्रिपाठी, साधुशरण मिश्र, एजाज अहमद, सचिन स्वरूप श्रीवास्तव, आशीष श्रीवास्तव, राजन, मनोज सिंह, रमीश वर्मा, अशोक जायसवाल, धीरेंद्र नाथ पांडेय, हरेन्द्र प्रकाश सिंह, विभूति यादव, अशोक त्रिपाठी, सुधीर शुक्ला, अहमद रजा अंसारी, राजेश श्रीवास्तव, अजय यादव, संजय सोनी, रविन्द्र नाथ त्रिपाठी आदि अधिवक्ता प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

शिकायत निस्तारण में लापरवाही पर तय होगी जवाबदेही

संवाददाता–श्रावस्ती। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित अपने कक्ष में लोगों की शिकायत सुनी। साथ ही शिकायतों के निस्तारण के लिए सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया। इस दौरान कुल 10 शिकायतें मिलीं। डीएम ने शिकायतों को निराकरण कर रिपोर्ट भेजने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बरतने पर अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। इसलिए समस्त जिला स्तरीय अधिकारी अपने कार्यालय में समस्त कार्य दिवसों में सुबह 10 बजे से 12 बजे तक खुद जनसुनवाई करें व समाधान करें।

डाक्टर-सिपाही विवाद ने तूल पकड़ा, बीजेपी एमएलसी उपवास पर बैठे

संवाददाता–गोरखपुर। डॉक्टर अनुज सरकारी और यूपी पुलिस के निलंबित सिपाही पंकज कुमार के बीच का विवाद तूल पकडने लगा है। डॉक्टर के सिर पर हथौड़े से वार के आरोप में जेल गए सिपाही से भी बहुत से लोग सहानुभूति जता रहे हैं। उनका कहना है कि डॉक्टर के अस्पताल में अपनी पत्नी का इलाज करा रहे सिपाही की पिटाई पहले की गई थी। लिहाजा सिपाही के पक्ष को भी सुना जाना चाहिए। डॉक्टर और उनके स्टॉफ के खिलाफ केस दर्ज होना चाहिए। कांग्रेस, बसपा सहित कई राजनीतिक दलों और संगठनों के नेता ऐक्शन की मांग कर रहे हैं। इस मांग को लेकर बीजेपी एमएलसी देवेन्द्र प्रताप सिंह भी उपवास पर बैठ गए। उधर, आजाद अधिकार सेना के अध्यक्ष और पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर भी सिपाही के समर्थन में गोरखपुर पहुंचे। उन्होंने आज से कैंट थाने के सामने अनिश्चितकालीन प्रदर्शन का ऐलान किया था लेकिन इससे पहले ही पुलिस ने उन्हें सिंचाई विभाग के डाक बंगले में नजरबंद कर दिया।

डॉ.अनुज सरकारी और सिपाही पंकज कुमार विवाद मामले में सिपाही की पत्नी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज करने की मांग को लेकर भाजपा एमएलसी देवेन्द्र प्रताप सिंह ने सोमवार को टाउन हाल स्थित गांधी प्रतिमा के नीचे दिन भर का उपवास रखा। इस दौरान बड़ी संख्या में मौजूद अधिवक्ता, सामाजिक कार्यकर्ता और विभिन्न राजनीतिक दलों के लोगों ने डॉक्टर और अस्पताल के कर्मचारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की। एमएलसी देवेंद्र प्रताप सिंह और बेतियाहाता से भाजपा पार्षद विश्वजीत त्रिपाठी ने कहा कि डॉक्टर के खिलाफ मुकदमा दर्ज होने तक विभिन्न चरणों में आंदोलन किया जाएगा। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद की ओर से भी सोमवार को जिला अस्पताल में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक कार्यालय के सामने गेट मीटिंग की गई। परिषद के अध्यक्ष रूपेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि सिपाही को न्याय मिलने तक राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उसके हक की लड़ाई लड़ता रहेगा। वहीं बसपा भी सिपाही के समर्थन में उतर आई है। मंगलवार को बसपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने एसएसपी से मिलकर सिपाही के पक्ष से केस दर्ज करने की मांग की।

डॉ. अनुज सरकारी पर हमला करने वाले बलिया के निलंबित सिपाही पंकज कुमार की जमानत को लेकर सोमवार को सिविल कोर्ट में एडीजे–छह के यहां सुनवाई हुई। काफी देर तक बहस चलने के बाद सिपाही की केस हिस्ट्री न आ पाने के कारण सुनवाई पूरी नहीं हो सकी। संतकबीरनगर जिले के खलीलाबाद के कोतवाली थाने में सिपाही पंकज कुमार पर केस दर्ज है। कोर्ट ने पुलिस से सिपाही पर दर्ज केस का ब्योरा मांगा है। अब इस मामले में 16 अक्तूबर को सुनवाई होगी। सोमवार को कोर्ट में सिपाही की जमानत पर सुनवाई के दौरान बार एसोसिएशन के अध्यक्ष भानू पांडेय के साथ अधिवक्ताओं ने पंकज कुमार का पक्ष रखा। इस दौरान अभियोजन अधिकारी ने अपना पक्ष रखते हुए सिपाही पर लगे केस का हवाला दिया। तब कोर्ट ने सिपाही की केस हिस्ट्री मांगी।

मिल्कीपुर सीट पर नहीं होगा उपचुनाव?

संवाददाता–अयोध्या। चुनाव आयोग ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश में उपचुनाव का ऐलान कर दिया है। यूपी में दस विधानसभा सीटें खाली हैं लेकिन नौ सीटों पर ही चुनाव कार्यक्रम घोषित किया है। अयोध्या की मिल्कीपुर सीट पर चुनाव का ऐलान नहीं हुआ है। चुनाव आयोग के अनुसार मिल्कीपुर में भी चुनाव प्रस्तावित है लेकिन तारीखों का ऐलान इलेक्शन पिटिशन के कारण नहीं हो रहा है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा है कि जिन सीटों पर उप चुनाव की तारीखों का ऐलान नहीं हुआ है उनको लेकर इलेक्शन पिटिशन यानी मामला कोर्ट में पहुंचा हुआ है। अयोध्या की मिल्कीपुर में भी इलेक्शन पेटिशन पेंडिंग है इसलिए चुनाव वाली सीटों में यहां का नाम नहीं है। बताया जा रहा है कि बीजेपी के पूर्व विधायक बाबा गोरखनाथ ने 2022 में चुनाव जीते सपा विधायक अवधेश प्रसाद के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में याचिका दायर कर रखी है, जो अभी लंबित है। फॉर्म भरते वक्त शपथ से जुड़ा यह मामला है। कहा जा रहा है कि अवधेश प्रसाद ने नामांकन के समय जो हलफनामा दाखिल किया था, उसकी डेट एक्सपायर थी। नियम यह है, नोटरी की डेट एक्सपायर है तो नॉमिनेशन कैंसिल कर दिया जाता है। कई प्रत्याशियों के पर्चे पहले भी रद्द हो चुके हैं। मीडिया से बात करते हुए बाबा गोरखनाथ ने कहा कि एमएलसी अनूप गुप्ता केस का आधार बनाते हुए यह रिट दाखिल की थी। पहले भी ऐसे गलत डॉक्यूमेंट दाखिल हुए और पर्चा रद्द हुआ। लखनऊ हाईकोर्ट में मामले की सुनवाई चल रही है। अगर मिल्कीपुर के 2022 के विधानसभा चुनाव की बात करें तो सपा प्रत्याशी अवधेश प्रसाद को एक लाख तीन हजार वोट मिले थे। भाजपा के बाबा गोरखनाथ को 90 हजार 567 वोट मिले थे। इससे पहले 2017 के चुनाव में बाबा गोरखनाथ मिल्कीपुर से विधायक बने थे। अयोध्या में लोकसभा चुनाव हारने के बाद से सभी की नजरें मिल्कीपुर सीट पर ही लगी थीं। राम मंदिर निर्माण के बाद हुए पहले ही चुनाव में भाजपा की यहां हार चर्चा का विषय बनी हुई है। सपा ने भी इसका भरपूर फायदा उठाया है। यहां से चुने गए सांसद अवधेश प्रसाद को लोकसभा में सबसे आगे की सीट पर जगह दी है। मिल्कीपुर में भी अवधेश प्रसाद के बेटे अजीत को उतारकर अपने मंसूबे भी साफ कर दिए थे। वैसे मिल्कीपुर सीट समाजवादी पार्टी का गढ़ ही मानी जाती है। राम मंदिर आंदोलन के बाद से बीजेपी यहां केवल दो बार ही जीत हासिल कर सकी है। जबकि छह बार सपा और दो बार बसपा से विधायक रहे हैं।

एयर इंडिया के विमान में बम होने की सूचना से मचा हड़कंप, अयोध्या एयरपोर्ट पर हुई सुरक्षित लैंडिंग

संवाददाता–अयोध्या। एयर इंडिया के विमान में बम होने की सूचना पर हड़कंप मच गया। विमान को सुरक्षित अयोध्या एयरपोर्ट पर उतार लिया गया है। इस समय विमान में 139 यात्री सवार थे। एयरपोर्ट प्रशासन ने सूचना मिलने पर पहले से ही तैयारी कर ली गई थी। एयर इंडिया का विमान जयपुर से चला था। अधिकारियों के निर्देश पर अयोध्या के महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट पर विमान की लैंडिंग कराई गई है। 24 घंटे के अंदर एयर इंडिया के विमान में बम रखने की दूसरी धमकी मिली है। कमिश्नर, एसएसपी और एसपी सिटी सहित सुरक्षा विभाग के अधिकारी मौके पर जांच कर रहे हैं। किसी को आकस्मिक उपचार के लिए कोई असुविधा न हो इसके लिए एयरपोर्ट पर सीएमओ डॉक्टर संजय जैन भी उपस्थित हैं फिलहाल अभी तक विमान में किसी भी प्रकार का बम नहीं मिला है। एयरपोर्ट पर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। अब से कुछ ही देर पहले वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजकरण नय्यर एयरपोर्ट से बाहर निकले और वहां से रवाना हो गए हैं। जब उनसे एयरपोर्ट के भीतर के हालात के बारे में जानकारी मांगी गई तो उन्होंने फिलहाल कुछ भी बताने से इनकार कर दिया है। इस बीच एटीएस की एक टुकड़ी भी यहां पर पहुंच गई है। एटीएस के अधिकारी पहले ही आ गए थे। एटीएस की टीम ने एयरपोर्ट के बाहर मोर्चा संभाल लिया है। कुछ अधिकारी पहले ही भीतर चले गए थे। अभी–अभी सीएमओ डॉक्टर संजय जैन एयरपोर्ट के भीतर से बाहर निकले हैं उनका कहना है कि वह आकस्मिक स्थिति में मेडिकल सेवा उपलब्ध कराने की दृष्टि के लिए आए थे फिलहाल ऐसी कोई जरूरत नहीं पड़ी है। एयरपोर्ट अथॉरिटी की ओर से प्रक्रियाएं पूरी की जा रही है जांच चल रही है।

अमिताभ ठाकुर को गेस्ट हाउस से बाहर निकालने की कोशिश, किया नजरबंद

संवाददाता–गोरखपुर। महानगर में चल रहे डॉक्टर सिपाही विवाद में मंगलवार को नाटकीय मोड़ आ गया। इस मामले में पीड़ित सिपाही के पक्ष से मुकदमा दर्ज करने की मांग को लेकर आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर ने मंगलवार से बेमियादी प्रदर्शन का ऐलान किया है। यह प्रदर्शन कैंट थाने के सामने होगा। प्रदर्शन करने महानगर पहुंचे राष्ट्रीय अध्यक्ष को गेस्ट हाउस में ही पुलिस ने नजर बंद कर दिया है। पूर्व आईपीएस ने आरोप लगाया कि उनके पार्टी के कार्यकर्ताओं को पुलिस ने भगा दिया। मंगलवार को सुबह से हाई वोल्टेज ड्रामा शुरू हो गया। बताया जाता है कि आजाद अधिकार सेना के कार्यकर्ताओं ने अमिताभ ठाकुर के लिए सिंचाई विभाग के डाक बंगले में कमरा आवंटित कराया था। मंगलवार को जब कमरे में पहुंचे तो उन्हें अधिकारियों ने गेस्ट हाउस से बाहर जाने के निर्देश दिए हैं। अमिताभ ठाकुर ने आरोप लगाया कि ऐसा प्रशासन के दबाव में किया जा रहा है। इसको लेकर उन्होंने सोशल मीडिया पर अपना वीडियो भी पोस्ट किया है। इससे पहले वह कैंट इंस्पेक्टर पर धमकी देने का भी आरोप लगा चुके हैं। पूर्व आईपीएस ने अपना वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। इसके बाद पुलिस ने पैंतरा बदल दिया। गेस्ट हाउस पर पहुच्ची पुलिस ने वहां मौजूद आजाद अधिकार सेना के कार्यकर्ताओं को भगा दिया। इसके बाद पूर्व आईपीएस को कमरे में नजर बंद कर दिया।पार्टी की प्रवक्ता डॉ नूतन ठाकुर ने बताया कि थाना कैंट के सामने अनिश्चितकालीन विरोध प्रदर्शन के लिए आए आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर को पहले रेलवे स्टेशन स्थित सिंचाई विभाग डाक बंगले में कक्ष आवंटित करने के बाद अब उन्हें जबरदस्ती निकाले जाने का प्रयास किया जा रहा है। पार्टी के जिला अध्यक्ष सत्येंद्र कुमार ने सोमवार को इस संबंध में सक्षम अधिकारी से बात कर कक्ष आवंटित करवाया था। मंगलवार की सुबह अमिताभ ठाकुर के पहुंचने पर गेस्ट हाउस में कक्ष का ताला खोलकर उन्हें रहने दिया गया। इसके कुछ देर बाद उन्हें कहा गया है कि वे तत्काल इस कमरे को खाली कर दें, क्योंकि यह कमरा उन्हें आवंटित नहीं हुआ है। बाद में उन्हें पुलिस ने नजर बंद कर लिया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने इस पूरी स्थिति को अत्यंत ही दुखद तथा अधिकारों का खुला दुरुपयोग बताया है।

छत की कुंडी से लटकता मिला विवाहिता का शव

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। कठेला समय माता थाना क्षेत्र के खैरा बाजार गांव में मंगलवार की सुबह कमरे के अंदर छत की कुंडी से विवाहिता का शव लटकता मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं पुलिस ने मृतका के भाई की तहरीर पर पति, सास, ननद के खिलाफ दहेज हत्या का केस दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के गोल्हौरा मुस्तकहम गांव निवासी कृष्ण यादव ने मई 2022 में अपनी पुत्री सोनी उर्फ सुजाता (22) की शादी खैरा बाजार गांव निवासी कृष्ण मोहन के पुत्र चन्दन यादव के साथ की थी। सोमवार रात में सुजाता व उसका पति चन्दन एक साथ कमरे में सोए थे। मंगलवार की सुबह सुजाता का शव फंदे से लटकता मिला। पति चंदन का कहना है कि वह नाच देखने के लिए चला गया था। देर रात में वापस आकर वह भी पत्नी संग सो गया। मंगलवार की सुबह जब नींद खुली तो बेड के बगल छत की कुंडी से दुपट्टा के सहारे पत्नी को फंदे से लटकता देख सहम गया।

श्रीराम जन्मभूमि के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास की तबीयत खराब, पीजीआई में भर्ती

संवाददाता–अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास की तबीयत खराब होने के बाद उन्हें लखनऊ के पीजीआई में भर्ती करवाया गया है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने फोन पर उनका हालचाल लिया। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास की तबीयत खराब हो गई। उन्हें इलाज के लिए पीजीआई लखनऊ में भर्ती करवाया गया है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने फोन पर उनका हालचाल लिया और डॉक्टरों को बेहतर इलाज का निर्देश दिया है।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0– D 200717140027
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी न्यायिक महोदय बस्ती सदर जिला–बस्ती

जगदम्बा लाल उर्फ जगदम्बा
बनाम
रामजियावन लाल आदि

6. संजय पाण्डेय पुत्र हरिश्चन्द्र पाण्डेय निवासी आवास विकास कालोनी कटरा तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 30–10–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 30 माह 10 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 15 माह 10 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0– 1355/2022
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

ओमप्रकाश
बनाम
राधेश्याम

1. राधेश्याम 2. मनोज कुमार पुत्रगण संतराम 3. मीना पत्नी जगदेव 4. झिनका पत्नी संतराम साकिनान मौजा चमरौहा तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 22–10–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 22 माह 10 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
न्यायालय–श्रीमान नायब तहसीलदार नगर बस्ती जिला बस्ती
वाद सं0 8366/2020
धारा 34 एल0आर0एक्ट

दयाराम
बनाम
नेबूलाल

बनाम–1–मुन्नी देवी पत्नी बिल्लू ग्रम खड़ौवाजाट तप्पा हवेली परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 24–10–2024

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2024 के माह 10 के 24 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 2024 के 10 माह 14 दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 146/2024
श्रीमती संगीता श्रीवास्तव–सायलान
1 श्रीमती संगीता श्रीवास्तव पत्नी प्रभात कुमार श्रीवास्तव मोहल्ला आनन्द नगर कटरा तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 21–10–2024

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925

दरख्वास्त मुसम्मा वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 21–10–2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 13/2020

रामपाल
बनाम
झब्बर आदि

1. झब्बर पुत्र गौरीशंकर 2. गौरी शंकर पुत्र घोलर निवासीगण ग्राम डारीडीहा तप्पा कलवारी परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती

–विपक्षी प्रथम वर्ग

3. रामकृपाल पुत्र रामफेर निवासी ग्राम डारीडीहा तप्पा कलवारी परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती

–विपक्षी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 20–11–2024

हरगाह मुद्दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 20 माह 11 सन 2024 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख 14 माह 10 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0– 404/2023
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

प्रवेश कुमार
बनाम
रविशंकर

1. रविशंकर उम्र लगभग 43 वर्ष रिषिकेश ग्राम सजनाखोर तप्पा मथौली परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 12–11–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 12 माह 11 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
निगरानी सं0
धारा 35 (2) उ0प्र0रा0सं02006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी न्यायिक महोदय बस्ती जिला बस्ती

बुद्धिराम आदि
बनाम
राम आशीष आदि

1. मुन्नी देवी पत्नी बिल्लू 2. राम आशीष गौतम पुत्र बुझारत ग्रम खड़ौवाजाट तप्पा हवेली परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 30–10–2024

अपील बनराजी फैसला अदालत तहसीलदार सदर मुकाम बस्ती
मयरिखा 25 महीना 10 सन् 2023 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 30 महीना 10 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0– 95/2022
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती

इन्द्रेश
बनाम
शिवशंकर आदि

1. शिवशंकर पुत्र महावीर 2. महावीर पुत्र रामनरेश 3. तिलकराम पुत्र रामनरेश साकिनान बनकटा तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती 4. श्रीमती मंजू देवी पत्नी खुशीराम ग्राम फरेन्दासेंगर तप्पा खुरियार परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 28–10–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 28 माह 10 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
निगरानी सं0
अदालत– श्रीमान उप संचालक चकबन्दी महोदय बस्ती जिला बस्ती

इन्द्रपति
बनाम
श्यामनरायन आदि

1. श्यामनरायन 2. विजयनरायन पुत्रगण सरस्वती प्रसाद 3. मुन्नी देवी पत्नी सरस्वती प्रसाद निवासी अठदमा तप्पा हवेली परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 28–10–2024

अपील बनराजी अदालत ब0अ0च0 मुकाम बस्ती
मयरिखा 20 महीना 08 सन् 2024 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 28 महीना 10 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 09 माह 10 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0– 947/2023
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जूडि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

रविशंकर आदि आदि
बनाम
जयवीर सिंह आदि

1. जयवीर सिंह आयु लगभग 32 वर्ष पुत्र थानेदार सिंह निवासी बबुरी बाबू पोस्ट विशेषरगंज तप्पा दुबौलिया परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

–प्रतिवादी प्रथम वर्ग

2. शत्रुधन आयु लगभग 40 वर्ष पुत्र स्व0 रामअचल निवासी ग्राम रामनगर पोस्ट विशेषरगंज तप्पा दुबौलिया परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

–प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 16–11–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 16 माह 11 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0– 360/2023
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती

राम निहोर
बनाम
कमलेश आदि

1. कमलेश पुत्र भग्गन उम्र करीब 50 साल 2. मीरा पत्नी कमलेश उम्र करीब 48 साल साकिनान अकेला कुबेरपुर तप्पा जगन्नाथपुर परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 20–11–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 20 माह 11 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com